आज का विचार
किसी की भावनाओं को जानने वाला अनपढ़ इंसान दुनिया का सबसे ज्ञानी व्यक्ति होता है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 6 अप्रैल, 2026 | वर्ष 24, अंक 82, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

जैतो के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर को 8 करोड़ रुपये की लागत से 30 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड किया जाएगाः भगवंत मान

1,200 घरों को साफ पानी की आपूर्ति के लिए 3.01 करोड़ रुपये की लागत से पाइपलाइन बिछाई जाएगी और 2 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा नया खेल स्टेडियम

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़/फरीदकोट

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य भर में विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए फरीदकोट के जैतो में 28.68 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें कम्युनिटी हेल्थ सेंटर को 30 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड करना तथा पीने के साफ पानी और खेल ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश शामिल है। उन्होंने कहा कि 2022 में झाड़ू (आप का चुनाव चिन्ह) के लिए लोगों के जनादेश ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सपनों को साकार करने की नींव रखी, जो अब पूरे हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आप के शासन मॉडल की तुलना विपक्षी दलों से करते हुए कहा कि जहां आप साफ पानी, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और महिलाओं को आर्थिक सहायता दे रही है, वहीं पारंपरिक पार्टियां हमेशा लोगों की सेवा करने में विफल रही हैं।

उन्होंने भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल पर तीखा हमला बोलते हुए उनके शासनकाल पर सवाल उठाए और उन पर भाई-भतीजावाद तथा आपराधिक तत्वों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने बढ़ती गरीबी और मुश्किलों के लिए केंद्र सरकार को भी जिम्मेदार ठहराया। 13 अप्रैल को बैसाखी के दिन होने वाले विशेष सत्र में एक साल तक कोई जमानत न देने और उम्रकैद की सजा का प्रावधान रखने वाला सख्त बेअदबी विरोधी कानून बनाने की घोषणा करते हुए भगवंत सिंह मान ने 2027 के चुनावों को अपनी सरकार के पक्ष में स्पष्ट माहौल बताया। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस का संबंध शुरू से ही सिख विरोधी दंगों से जुड़ा रहा है, वहीं अकाली दल अपने काले कारनामों के कारण पूरी तरह बदनाम हो चुका है और केवल उनकी आप पार्टी ही बेहतर शासन-आधारित एकमात्र विकल्प है, जो रंगला पंजाब बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जैतो की धरती ने हमेशा इतिहास रचा है, जिसे उनकी पार्टी सलाम करती है। उन्होंने कहा कि साहित्य हो या संघर्ष, जब भी किसी क्षेत्र में जरूरत पड़ी, जैतो हमेशा आगे बढ़कर सबसे आगे खड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि अकालियों को दी गई हर वोट गुरु और गुरबाणी की बेअदबी के पक्ष में फैसला होगी। उन्होंने कहा कि अकालियों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी कर हर व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अकालियों ने महान गुरुओं की बाणी का अपमान किया और बहिबल कलां तथा बरगाड़ी में निर्दोष लोगों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि अकालियों ने श्री अकाल तख्त साहिब का भी गंभीर अपमान किया है। उन्होंने आगे कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदारों की नियुक्ति भी अकालियों की मनमानी से होती है, जो पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है।

विकास के दावों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दावा करते हैं कि उनके शासनकाल में राज्य में बड़े पैमाने पर विकास हुआ, लेकिन कोटकपूरा, बहिबल कलां और अन्य स्थानों पर जहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी हुई और निर्दोष मारे गए, उन मुद्दों पर वे चुप्पी साध लेते हैं। अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस यात्रा का असली नाम परिवार बचाओ यात्रा होना चाहिए। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अकाली नेता यह स्पष्ट करें कि 15 वर्षों तक राज्य को लूटने के बाद अब वे किससे पंजाब को बचाने की बात कर रहे हैं। अकालियों ने राज्य को बेरहमी से लूटा और पंजाबियों की मानसिकता को भावनात्मक रूप से कुचला। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न माफियाओं को संरक्षण दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अकाली नेतृत्व को कभी माफ नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे कई पीढ़ियों के विनाश के लिए जिम्मेदार हैं। उनके लंबे कुशासन के दौरान नशे का व्यापार बड़े पैमाने पर बढ़ा-फूला। इन नेताओं के हाथ लाखों युवाओं के खून से रंगे हुए हैं, जो इन नेताओं के सरकारी वाहनों के जरिए राज्य में सप्लाई किए जाने वाले नशों का शिकार हुए।

मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकताः सिंधिया

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने हितग्राही सम्मेलन में अशोकनगर को दी तीन करोड़ अधिक की सौगातें

एजेंसी (हि.स.)
अशोक नगर

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया रविवार को मध्य प्रदेश के अशोकनगर में आयोजित विशाल हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने हजारों हितग्राहियों से संवाद करते हुए उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा और ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिससे यह आयोजन जनविश्वास और सहभागिता का प्रतीक बन गया। इस दौरान उन्होंने तीन करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि वर्ष 2025 में जनपद पंचायत अशोकनगर अंतर्गत 7,317 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें से 4,139 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष आवास निमार्णाधीन हैं। साथ ही मार्च 2026 में 5,534 नए आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1,733 हितग्राहियों को प्रथम किस्त जारी कर दी गई है। इस अवसर पर दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 8 स्व-सहायता समूहों को ₹27 लाख की सीसीएल राशि वितरित की गई, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की नई दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए बताया गया कि अशोकनगर जिले में 1,456 दिव्यांगजनों को 5,172 सहायक उपकरण प्रदान किए जा चुके हैं। पूरे संसदीय क्षेत्र में यह संख्या 8,640 लाभार्थियों तक पहुंच चुकी है, जिन्हें लगभग ₹7 करोड़ मूल्य के उपकरण वितरित किए गए हैं। यह पहल केवल सहायता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि इस अभियान में 2.82 लाख से अधिक ओपीडी परामर्श और 3,600 से अधिक निःशुल्क सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। आधुनिक तकनीक, विशेषकर रोबोटिक सर्जरी के उपयोग के साथ यह शिविर एक ऐतिहासिक उपलब्धि बना और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ। यह पहल ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करती है।

अशोकनगर को मिली विकास कार्यों की नई गति

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस अवसर पर लगभग (70 लाख की लागत से 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 2 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से 19 कार्यों का लोकार्पण किया गया। ये कार्य क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संबोधन के अंत में उन्होंने सभी नागरिकों से विकास की इस यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया और अशोकनगर को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने का संकल्प दोहराया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश और स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए सिंधिया

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रविवार को ईसागढ़ के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल प्रांगण में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश एवं स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी के लिए आवास सुनिश्चित करने हेतु ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पक्के घर प्रदान किए जा रहे हैं। जिससे लोगों के पक्के मकान का सपना पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आगामी पांच वर्ष में 05 करोड़ प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाये जाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी) अंतर्गत नगर परिषद ईसागढ़ के 94 नवीन हितग्राहियों को पीएम आवास के स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत हितग्राही कमलेश को आवास की चाबी सौपकर गृह प्रवेश कराया।

ध्यान आंतरिक परिवर्तन की शुरूआत, बेहतर सोच से बेहतर बनेगी दुनियाः उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि ध्यान (मेडिटेशन) आंतरिक परिवर्तन की शुरूआत है और सकारात्मक सोच के माध्यम से ही एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सकता है। ध्यान व्यक्ति को मानसिक शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में रविवार को आयोजित ह्यग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ मेडिटेशन लीडर्स-मेडिटेशन फॉर होलिस्टिक लिविंग एंड ए पीसफुल वर्ल्डह्न को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने ये बातें कही।

पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज मूवमेंट और बुद्धा-सीईओ क्वांटम फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान मनुष्य के भीतर एक दीपक जलाने जैसा है, जो अज्ञानता को समाप्त कर व्यक्ति को सत्य और शांति के मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने तमिल संत तिरुमूलर की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव शरीर एक मंदिर के समान है और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित दिव्यता को पहचान सकता है।

उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रही है। संघर्ष केवल बाहरी नहीं बल्कि व्यक्ति के भीतर भी चलता रहता है। ऐसे समय में ध्यान शांति और संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह तनाव को कम करता है, एकाग्रता को बढ़ाता है और भावनात्मक संतुलन को मजबूत बनाता है।

उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि ध्यान केवल आध्यात्मिक साधकों के लिए ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के लिए उपयोगी है। यह सामान्य व्यक्ति को भी उच्च चेतना की ओर ले जाने में सहायक है। उन्होंने कहा कि भौतिक सफलता की अंधाधुंध दौड़ में जीवन के मूल्यों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और ध्यान इस संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है।

ह्यविकसित भारत-2047ह्न के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है। इस दिशा में ध्यान एक प्रभावी माध्यम साबित हो सकता है।

युवाओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान नशा मुक्ति का एक सशक्त साधन बन सकता है। यह तनाव, चिंता और दिशाहीनता को दूर कर युवाओं को सही मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि बिना मूल्यांकन के अवलोकन करना ही उच्चतम बुद्धिमत्ता है और ध्यान व्यक्ति को यह क्षमता प्रदान करता है।

कार्यक्रम में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व महानिदेशक डीआर कार्तिकेयन, परमार्थ निकेतन आश्रम ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, क्वांटम लाइफ यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. न्यूटन कोंडावेटी, बुद्धा-सीईओ क्वांटम फाउंडेशन के संस्थापक चंद्र पुलामारसेट्टी और पिरामिड स्पिरिचुअल ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय भास्कर रेड्डी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई, एक दिन जनता से मांगेंगे माफी : राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)
बिश्वनाथ

लोकसभा सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के बिश्वनाथ में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और एक दिन ऐसा आएगा जब उन्हें असम की जनता के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ेगी। अपने भाषण की शुरूआत में राहुल गांधी ने असम की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि श्रीमंत शंकरदेव, अजान फकीर, जुबीन गर्ग और तरुण गोगोई की है। उन्होंने कहा कि जुबीन गर्ग ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया और कभी किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि असम को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य की जमीन उद्योगपतियों जैसे गौतम अडानी और बाबा रामदेव को दी जा रही है, जबकि यह जमीन असम के लोगों और किसानों की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जब चाहें प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक करियर खत्म कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नरेन्द्र मोदी और अमित शाह पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए।

राहुल गांधी ने भाजपा पर छह समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने के वादे को पूरा न करने का भी आरोप लगाया। कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर इस वादे को पूरा करेगी। सभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने स्वागत भाषण दिया। राहुल गांधी ने महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता, छोटे व्यवसायों के लिए 50 हजार रुपये की एकमुश्त मदद, 10 लाख परिवारों की जमीन का नियमितीकरण और 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया। अंत में उन्होंने मतदाताओं से कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सोच असम की सांस्कृतिक विरासत और एकता को मजबूत करने की है।

भारी बारिश-ओलावृष्टि से फसल नुकसान पर केंद्र सतर्क, प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ होगी बैठक : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में हाल ही में हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को लेकर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्रालय के अनुसार, मंत्री शिवराज सिंह चौहीन ने संबंधित राज्यों के अधिकारियों से संपर्क कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसलों को हुए नुकसान का सही आकलन जरूरी है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर राहत प्रदान की जा सके।

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ आज बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में फसल क्षति का विस्तृत आकलन कर राहत और मुआवजे के उपायों पर निर्णय लिया जाएगा।-

विपक्ष का केवल एक ही एजेंडा, लोगों से वोट लो और फिर उनका शोषण करोः नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्षी दलों का एक ही एजेंडा है, वोट लो और शोषण करो। इस क्षेत्र के लोगों के साथ उन्होंने हमेशा झूठे वायदे किए और विकास की बजाय यहां पिछड़ेपन को रखा। मुख्यमंत्री रविवार को जींद में आयोजित धन्यवाद व विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। रैली के संयोजक हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण कुमार मिड्ढा ने जींद पहुंचने पर मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 253 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया। रैली में उपस्थित भारी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जींद की यह भूमि परिश्रम और प्रगति का संगम है। यह हरियाणा की वह धड़कन है, जहां जब किसान का पसीना मिट्टी में मिलता है, तो देश के अन्न भंडार भर जाते हैं। मैं इस वीर भूमि पर आयोजित इस धन्यवाद व विकास रैली में आए सभी बुजुर्गों, माताओं-बहनों और युवा साथियों का हार्दिक वंदन करता हूं। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जींद को लम्बे समय से नजर अंदाज किया गया। झूठे वायदे करके आपके वोटों की फसल तो दो-दो-तीन-तीन पीढ़ियों तक काटी गई, लेकिन विकास के नाम पर कुछ नहीं किया गया। परिवारवाद की दलदल में फंसे लोग आपके बच्चों के भविष्य को लेकर संजीदा नहीं रहे। उन्होंने सिर्फ अपने बच्चों का भविष्य ही सुरक्षित किया है, लेकिन हमने इस क्षेत्र का हक सूद समेत लौटाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जनता ने हमें लगातार तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है, वह हमारे लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यह जनादेश हमें यह याद दिलाता है कि हमें और अधिक समर्पण के साथ काम करना है और हर उस वादे को पूरा करना है, जो हमने आपसे किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 60 वादों को डेढ साल में ही पूरा कर दिखाया है। यही नहीं, 157 वादों पर काम प्रगति पर है। विधानसभा के चुनाव प्रचार का श्रीगणेश भी उन्होंने जींद की भूमि से ही किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ह्यविकसित भारत 2047ह्न का जो विजन देशवासियों के सामने रखा है, वह केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है। इसमें हर नागरिक भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ह्यराष्ट्र प्रथमह्न की नीति पर चलते हुए हर संकट में भारतीयों के साथ खड़ी है। चाहे कोरोना काल हो, या फिर अफगानिस्तान संकट, हमेशा प्रधानमंत्री देश की जनता के साथ खड़े नजर आएं हैं। हाल ही में जो वैश्विक परिस्थितियां बनी है, उसमें भले ही विश्व में तेल के दामों में इजाफा हुआ हो, लेकिन प्रधानमंत्री ने पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर जनता को बड़ी राहत दी है। हरियाणा सरकार आमजन को तेल और गैस उपलब्ध करवा रही है। साथ ही सरकार ने कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं।

जींद में 2 हजार 217 करोड़ 61 रुपये खर्च किए

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी नॉनस्टॉप डबल इंजन सरकार ने ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्न के मंत्र को जमीन पर उतारकर दिखाया है। सरकार ने हर क्षेत्र और हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं और उन्हें पारदर्शिता के साथ लागू किया है। इस हलके में विकास कार्यों पर पिछले साढ़े 11 वर्षों में 2 हजार 217 करोड़ 61 लाख रुपये खर्च किए हैं। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 380 करोड़ 97 लाख रुपये खर्च किये गये थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जींद की कई बड़ी परियोजनाओं का भी मंच से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में 36 हजार युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इन्हें मिलाकर पिछले साढ़े 11 सालों में 1 लाख 80 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं। इनमें से जिला जींद के लगभग 15 हजार युवाओं को नौकरियां मिली हैं, और फिलहाल भी हरियाणा में 13500 नई नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि जींद में विकास को रफ्तार देने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इसी के तहत प्रदेश सरकार ने पांडू पिंडारा गांव के नजदीक 32 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से नए बस अड्डे का निर्माण करवाया, पुरानी स्वीकृत कॉलोनियों में पेयजल-सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाओं पर 32 करोड़ 86 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जींद में नागरिक अस्पताल के 200 बिस्तरों के अतिरिक्त भवन का निर्माण 16 करोड़ रुपये की लागत से किया गया। साथ ही जींद-पानीपत रेलवे लाइन पर आर.यू.बी. का निर्माण 18 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से किया गया। वहीं,13 करोड़ 82 लाख रुपये की राशि से 10 एमएलडी का एसटीपी भी स्थापित किया गया। जींद-भिवानी रोड से जींद-हांसी रोड तक बाईपास का निर्माण 12 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि जींद के सेक्टर-9 में 132 केवी सब स्टेशन की स्थापना 12 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से की गई। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी छात्रावास का निर्माण 11 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से किया गया।

शिक्षा बजट में 9,666 करोड़ रुपये का प्रावधान

हिमाचल बनेगा 'एजुकेशन हब': रोहित ठाकुर

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने जुब्बल के कुड्डू में किये करोड़ों के शिलान्यास-उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने रविवार को जुब्बल उपमंडल की सीमावर्ती ग्राम पंचायत कुड्डू में करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने करीब 3 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत से बनने वाली नढाल सड़क का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही 1 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से बने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाडी रावत के नए भवन का उद्घाटन भी किया गया। मंत्री ने बटाड़ गांव में बनने वाले सामुदायिक भवन की आधारशिला भी रखी, जिसके निर्माण के लिए पहले चरण में 5 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

इस मौके पर स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए रोहित ठाकुर ने कहा कि कुड्डू पंचायत उनके विधानसभा क्षेत्र की उत्तराखंड राज्य से सटी एक दूरस्थ पंचायत है और क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल के दौरान इस पंचायत में सड़क और भवन निर्माण सहित कई विकास कार्य किए गए हैं और इसी क्रम में आज भी कई योजनाओं की शुरुआत की गई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान इस पंचायत को काफी नुकसान हुआ था, लेकिन सरकार ने प्रभावित लोगों को तुरंत राहत पहुंचाई और जरूरी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किया गया। उन्होंने कहा कि जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है और इस क्षेत्र में सड़क और भवन निर्माण से जुड़े करीब 550 करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और छात्रों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए 9,666 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उनका कहना था कि इस बजट के माध्यम से शिक्षा के आधारभूत ढांचे को और बेहतर बनाया जाएगा, जिससे प्रदेश के छात्रों को अपने घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि कोटखाई में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति मिलना क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे न केवल शिक्षा का स्तर बेहतर होगा, बल्कि स्थानीय छात्रों को अपने क्षेत्र में ही अच्छी शिक्षा मिल सकेगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष से केंद्रीय विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसके तहत बड़ी संख्या में शिक्षकों की भर्ती की जा रही है, विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई को बढ़ावा दिया जा रहा है और छात्रों के लिए पौष्टिक आहार योजना भी लागू की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 151 स्कूलों को सीबीएसई से भी संबद्ध किया गया है।

हिमाचल में 49 नगर निकायों का आरक्षण रोस्टर जारी, 16 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पंचायत और शहरी निकाय चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य सरकार ने नगर परिषद और नगर पंचायतों के लिए आरक्षण रोस्टर जारी कर दिया है, जबकि नगर निगमों का रोस्टर बाद में जारी किया जाएगा। इसी बीच पंचायत चुनावों की अधिसूचना भी अप्रैल के तीसरे हफ्ते के अंत तक जारी होने की संभावना जताई जा रही है।

शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार की ओर से नगर निकायों के आरक्षण रोस्टर को लेकर आदेश जारी किए गए हैं। विभाग ने नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों के वार्डों के लिए आरक्षण व्यवस्था तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने फिलहाल 49 नगर परिषद और नगर पंचायतों के लिए आरक्षण रोस्टर जारी किया है। इनमें 16 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

जारी रोस्टर के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए 10 नगर निकाय आरक्षित किए गए हैं। इनमें से पांच सीटें एससी महिला वर्ग के लिए निर्धारित की गई हैं। एससी महिला वर्ग के लिए ऊना जिले का दौलतपुर, चंबा नगर परिषद, कुल्लू जिले का बंजार, बिलासपुर नगर परिषद और मंडी जिले का सुंदरनगर शामिल हैं। वहीं एससी वर्ग के अन्य आरक्षित निकायों में मेहतपुर बसदेहड़ा, नगरोटा बगवां, घुमारवीं, रोहड़ू और चिड़गांव शामिल किए गए हैं। अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए इस बार केवल एक नगर निकाय आरक्षित किया गया है, जिसमें कांगड़ा जिले का शाहपुर शामिल है। इसके अलावा सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए 11 नगर निकाय आरक्षित किए गए हैं। इनमें निरमंड, अर्की, ज्वालामुखी, कंडाघाट, संतोषगढ़, अंब, गगरेट, कुल्लू, नूरपुर, ठियोग और टाहलीवाल शामिल हैं। चार नगर निगमों का रोस्टर बाद में जारी किया जाएगा। उधर पंचायत चुनावों को लेकर भी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच रही हैं। जानकारी के अनुसार प्रदेश में पंचायत चुनावों की अधिसूचना अप्रैल के तीसरे हफ्ते के अंत तक जारी की जा सकती है। यह चुनाव तीन चरणों में करवाए जाने की संभावना है। राज्य सरकार को सात अप्रैल तक पंचायतों के लिए आरक्षण रोस्टर अंतिम रूप देना है। इसके बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

इसके साथ ही मतदाता सूचियों को भी अपडेट किया जा रहा है। एक अप्रैल तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा रहे हैं। इस प्रक्रिया को पूरा होने में लगभग 19 से 20 दिन का समय लग सकता है। इसी कारण पंचायत चुनावों की अधिसूचना अप्रैल के तीसरे हफ्ते के अंत तक जारी होने की संभावना जताई जा रही है। अदालती आदेशों के मुताबिक भी सात अप्रैल तक पंचायत चुनावों से संबंधित आरक्षण रोस्टर को अंतिम रूप देना जरूरी है।

ऐसे में प्रशासनिक स्तर पर तेजी से काम किया जा रहा है जिससे तय समयसीमा के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। चुनावों की अधिसूचना जारी होने के बाद प्रदेश भर में आचार संहिता लागू होने की भी संभावना है। इससे स्थानीय स्तर पर राजनीतिक गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद है।

चेस्टर हिल केस की हाईकोर्ट निगरानी में हो जांच हो: भाजपा विधायक रणधीर शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने चेस्टर हिल मामले में कथित बेनामी संपत्ति की जांच को लेकर कहा है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हाईकोर्ट की निगरानी में करवाई जानी चाहिए। उनका कहना है कि इससे सच्चाई सामने आएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी।

रणधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि इस मामले में जांच के आदेश सरकार की अपनी पहल से नहीं, बल्कि भाजपा और जनता के लगातार दबाव के कारण देने पड़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को लंबे समय से उठा रही थी और तथ्यों के साथ सरकार को घेरती रही, जिसके बाद सरकार को कार्रवाई करनी पड़ी। उन्होंने यह भी कहा कि पहले इस मामले को दबाने की कोशिश की गई और जांच को टालने के प्रयास हुए। उनके अनुसार अधिकारियों की ओर से भी कई गंभीर अनियमितताओं को नजरअंदाज किया गया, लेकिन भाजपा के विरोध और जनदबाव के चलते अब सरकार को जांच के आदेश जारी करने पड़े हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि केवल औपचारिक जांच से काम नहीं चलेगा, बल्कि इस मामले में शामिल सभी अधिकारियों की भूमिका की भी गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने मुख्य सचिव सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच किए जाने की मांग उठाई। रणधीर शर्मा ने कहा कि जिन अधिकारियों पर आरोप लगे हैं, उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। उनका कहना है कि जांच हाईकोर्ट की निगरानी में होगी तो निष्पक्षता बनी रहेगी और लोगों का भरोसा भी मजबूत होगा।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लेह हवाई अड्डे से होंगी प्रति दिन 18 उड़ानें

लेह। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रविवार को कहा कि चरम पर्यटन सीजन से पहले हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए लेह हवाई अड्डे पर उड़ानें प्रति दिन आठ से बढ़ाकर 18 कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि दो और उड़ानें जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिससे आगंतुकों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में लचीलापन मिलेगा और उन्होंने छुट्टियों पर आने वालों को अविस्मरणीय यात्रा के लिए लद्दाख का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया। सक्सेनाने कहा कि लद्दाख में पर्यटन सीजन शुरू होने के साथ ही लेह के साथ हवाई कनेक्टिविटी को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि 2 अप्रैल को लेह हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन आठ उड़ानों से बढ़कर 18 उड़ानें प्रति दिन हो गई है जो दिल्ली, मुंबई, श्रीनगर और चंडीगढ़ जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ता है। दो और उड़ानों के जल्द ही परिचालन शुरू होने की उम्मीद है, जिससे आगंतुकों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में अधिक लचीलापन मिलेगा। उपराज्यपाल ने कहा कि उड़ान संचालन में वृद्धि के परिणामस्वरूप पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे लद्दाख के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय आजीविका का सृजन होगा और लद्दाख एक सुविधाजनक, मांग वाले पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित होगा।

छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप और व्यावसायिक शिक्षा जरूरी: राज्यपाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा है कि बदलते समय में छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों में इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा को शैक्षणिक ढांचे का हिस्सा बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों को पारंपरिक पढ़ाई तक सीमित रहने के बजाय कौशल विकास और नवाचार पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

राज्यपाल शिमला स्थित लोक भवन में रविवार को शिक्षाविदों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान यह बात कह रहे थे। इस बैठक में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शैक्षणिक उत्कृष्टता और संस्थागत विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से जुड़े शिक्षाविद शामिल थे, जिन्होंने अपने-अपने संस्थानों में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों और पहलों की जानकारी राज्यपाल को दी। इस दौरान शिक्षाविदों ने शोध के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने और छात्रों तक शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन भी मांगा। राज्यपाल ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को और मजबूत करने के लिए शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही उद्योग से जुड़े अनुभव मिलेंगे, तो उन्हें भविष्य में रोजगार पाने में मदद मिलेगी। राज्यपाल ने छात्रों में शोध की प्रवृत्ति बढ़ाने और युवाओं के समग्र विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को नवाचार, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण के केंद्र के रूप में विकसित होना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए उम्मीद जताई कि इस तरह के संवाद से प्रदेश में सहयोगात्मक शिक्षा की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर दिशा तय करने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त-समाचार

नशीले पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग के खिलाफ पुंछ पुलिस ने एक बड़ी सफलता की हासिल

पूँछ। नशीले पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग के खिलाफ अपनी लगातार जारी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए जिला पुलिस पुंछ ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने प्रतिबंधित पदार्थ रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। नाका चेकिंग के दौरान पुंछ पुलिस स्टेशन की एक टीम ने इलाके में नियमित जांच और गश्त करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान इफ्तिखार हुसैन पुत्र स्वर्गीय इश्तियाक हुसैन, निवासी मंडी के रूप में हुई है। उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से लगभग 8.80 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ। बरामदगी के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया और कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार प्रतिबंधित पदार्थ को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इस संबंध में पुंछ पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं 8/21/22 के तहत एफआईआर संख्या 51/2026 दर्ज की गई है। मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है। जिला पुलिस पुंछ नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया है। इसके साथ ही आम जनता से अपील की है कि नशीले पदार्थों की बिक्री से संबंधित कोई भी जानकारी होने पर वह आगे आएं। पुलिस ने ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जम्मू और कश्मीर वन्यजीव विभाग ने पक्षियों के अवैध शिकार के खिलाफ निगरानी बढ़ा दी

श्रीनगर। हर सर्दियों में, साइबेरिया, पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में ठंडे तापमान से बचने के लिए प्रवासी पक्षी हजारों की संख्या में कश्मीर पहुंचते हैं और घाटी में आर्द्रभूमि को अपना अस्थायी घर बनाते हैं। और, कश्मीर में बरसात के मौसम की शुरूआत (मार्च के अंत से मई तक) के साथ, वे अपने मूल स्थानों पर लौटने से पहले होकरसर, डल झील और नरकारा जैसे आर्द्रभूमि में अपने प्रजनन का मौसम शुरू करते हैं। हालाँकि पक्षियों का अवैध शिकार इस अवधि में खलल डालता है। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शिकारी पक्षियों का शिकार करने के लिए छोटी नावों और देशी बंदूकों का इस्तेमाल करते हैं जिससे उनकी मौत हो जाती है और अंडे सेने की प्रक्रिया बाधित होती है। लेकिन वन्य जीव विभाग अब घाटी में अवैध शिकार पर लगाम लगाने के लिए कदम उठा रहा है. विभाग ने मार्च में वन्यजीव संरक्षण रेंज के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विभिन्न आर्द्रभूमि क्षेत्रों, विशेष रूप से डल झील, नरकारा आर्द्रभूमि और आसपास के क्षेत्रों में नियमित गश्त और अवैध शिकार विरोधी निगरानी की। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि क्षेत्रीय गश्त तेज करने के परिणामस्वरूप अवैध शिकार के प्रयासों के कई मामलों का पता चला और प्रवासी पक्षियों के अवैध शिकार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार, गोला-बारूद और शिकार उपकरण की बरामदगी हुई। उन्होंने कहा कि 13 मार्च को गोली चलने की आवाज सुनने के बाद डल झील में अवैध शिकार के प्रयास को विफल कर दिया गया था। अधिकारी ने कहा, कि डल झील पर तैनात गश्ती दल अपराधियों को पकड़ने के लिए तुरंत आवाज की दिशा में आगे बढ़ा।

सीडीएस ने सुरक्षा की समीक्षा की, कश्मीर में एलओसी पर परिचालन तैयारी बढ़ाई

श्रीनगर। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने संयुक्त अभियानों और भविष्य की तैयारियों को मजबूत करने पर ध्यान देने के साथ उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। अग्रिम इलाकों के दौरे के दौरान जनरल चौहान को जमीनी स्थिति और चिनार कोर की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिचालन माहौल में उच्च स्तर की तत्परता और व्यावसायिकता बनाए रखने के लिए उन्होंने गठन की सराहना की। बारामूला में, सीडीएस को उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग और परिचालन योजना में उनके एकीकरण पर एक प्रस्तुति दी गई। अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उभरती सुरक्षा चुनौतियों के लिए मल्टी-डोमेन संचालन की ओर बदलाव की आवश्यकता है जिसमें भूमि, वायु, साइबर और अंतरिक्ष डोमेन में समन्वित कार्रवाई शामिल है। उन्होंने भविष्य के खतरों से निपटने के लिए बेहतर संयुक्त प्रशिक्षण, परिचालन सिद्धांतों के संरेखण और एकीकृत कमांड संरचनाओं के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। सीडीएस ने नवाचार और समन्वित राष्ट्रीय दृष्टिकोण के माध्यम से उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाने का भी आह्वान किया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बारामूला में नागरिक प्रशासन के अधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत की और क्षेत्र में विकासात्मक पहलों की समीक्षा की।

एनएलयू की मांग को लेकर कठुआ में भाजयुमो का प्रदर्शन, अरुण प्रभात ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

कठुआ। जम्मू क्षेत्र में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की स्थापना की मांग को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा कठुआ ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी चैक पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जिले के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों युवा प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन का नेतृत्व भाजयुमो जम्मू-कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष अरुण प्रभात ने किया, जबकि आयोजन जिला अध्यक्ष दिनेश्वर सिंह की अगुवाई में हुआ। अरुण प्रभात ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर निशाना साधते हुए चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर जम्मू क्षेत्र में एनएलयू की स्थापना नहीं की गई, तो पूरे जम्मू क्षेत्र में युवाओं का बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है, जिससे युवाओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का रवैया जम्मू क्षेत्र के प्रति पक्षपातपूर्ण है।

आनंद शर्मा का बयान उनका निजी विचार, कांग्रेस केंद्र की नीतियों के खिलाफ खड़ी: कर्मवीर बौद्ध

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

खाड़ी देशों में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच कांग्रेस पार्टी के भीतर बयानों को लेकर अलग-अलग राय सामने आने लगी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आंनद शर्मा द्वारा केंद्र की मोदी सरकार की कूटनीति की तारीफ किए जाने पर पार्टी के राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध ने इसे उनका व्यक्तिगत विचार बताया और कहा कि कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार की नीतियों का लगातार विरोध करती रही है।

शिमला में कांग्रेस कार्यालय में रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कर्मवीर सिंह बौद्ध ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि आनंद शर्मा ने किस आधार पर यह बयान दिया, लेकिन यह उनका निजी मत हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक लाइन स्पष्ट है और वह केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ खड़ी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावों पर भी सवाल उठाए। बौद्ध ने कहा कि एक ओर केंद्र सरकार देश में सब कुछ ठीक होने की बात करती है, जबकि दूसरी ओर आम लोगों को समय पर रसोई गैस सिलेंडर जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले समय में देश आर्थिक संकट की चपेट में आ सकता है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में हुए राज्यसभा की 68 सीटों के चुनाव में संख्या बल नहीं होने के बावजूद भाजपा ने कई जगह निर्दलीय उम्मीदवार उतारे। उनका आरोप था कि भाजपा धनबल और विधायकों की खरीद-फरोख्त के जरिए अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करती है और बड़ी संख्या में राज्यसभा सांसद ऐसे तरीकों से चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक संकेत नहीं है। कर्मवीर सिंह बौद्ध ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिमाचल में समान अधिकार और संतुलित विकास की नीति पर काम किया जा रहा है और सरकार आम लोगों के हितों को ध्यान में रखकर फैसले ले रही है। इससे पहले कांग्रेस कार्यालय में पूर्व केंद्रीय मंत्री और स्वतंत्रता सेनानी बाबू जगजीवन राम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर कर्मवीर सिंह बौद्ध ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने दलितों, वंचितों और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

विश्व जागृति मिशन मंडी मंडल की कार्यकारिणी का गठन, प्रो. प्रवीण कपिला बने प्रधान

मंडी। विश्व जागृति मिशन मंडी मंडल का मासिक सत्संग एवं नई कार्यकारिणी के गठन के लिए एक विशेष बैठक रविवार को हिमाचल धाम आश्रम गागल में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में धार्मिक भजनों की प्रस्तुति के साथ-साथ सर्वसम्मति से संगठन का विस्तार किया। सत्संग का शुभारंभ सेवानिवृत्त प्रो. प्रवीण कपिला ने प्रस्तुत भजनों से हुआ। उन्होंने हरि शरणम हरि शरणम श्री हरि शरणम, गुरु देव दया करके मुझको अपना लेना और मुझे अपना जीवन बनाना न आया जैसे भक्तिपूर्ण भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात दलीप सैनी ने दरबार में सतगुरु के दुख-दर्द मिटाए जाते है भजनों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के मध्य में स्वाध्याय और ओम के उच्चारण के बाद गुरु प्रतिमा के समक्ष आरती की गई। सत्संग के उपरांत सुरेश राणा की अध्यक्षता में चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें सर्वसम्मति से प्रो. प्रवीण कपिला को मंडी मंडल के प्रधान पद की कमान सौंपी गई। बैठक में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने हस्ताक्षर कर नई कार्यकारिणी पर अपनी सहमति जताई। नवनिर्वाचित प्रधान प्रो. कपिला जल्द ही अपनी आगामी कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों के नामों की घोषणा करेंगे।

कठुआ में पहली बार महर्षि कश्यप जयंती पर भव्य शोभायात्रा, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

महर्षि कश्यप जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को कठुआ शहर में पहली बार कश्यप बिरादरी द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह शोभायात्रा शहर के रामलीला मैदान से शुरू होकर ओल्ड सुपर बाजार, शहीदी चैक सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए पूरे शहर में निकाली गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवा वस्त्र और गले में भगवा पट्टे धारण किए हुए नजर आए, वहीं मोटरसाइकिल रैली में युवा हाथों में झंडे लिए शामिल हुए, जिससे पूरा शहर भक्तिमय माहौल में रंग गया। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण एक सुसज्जित रथ रहा, जिसमें भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता की वेशभूषा में सजे बच्चे विराजमान थे, जिन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कश्यप बिरादरी के प्रतिनिधियों ने बताया कि महर्षि कश्यप जी की जयंती पूरे देश में 5 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाती है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कठुआ में पहली बार इस आयोजन की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि उम्मीद से अधिक लोगों की भागीदारी देखने को मिली और भविष्य में हर वर्ष इस जयंती को और अधिक भव्य रूप से मनाया जाएगा। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए लंगर की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम को लेकर शहर में खासा उत्साह देखने को मिला।

बंजार में टेंपो ट्रैवलर खाई में गिरी, 4 की मौत, 19 घायल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार उपमंडल के घियागी क्षेत्र में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जलोड़ी दर्रा से बंजार की ओर आ रही एक टेंपो ट्रैवलर (उ्छ 1श्उ-5958) अचानक अनियंत्रित होकर करीब 300 फुट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए हैं, जिनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार वाहन में कुल 23 यात्री सवार थे। जैसे ही गाड़ी घियागी के पास पहुँची, चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे खाई में गिर गया। हादसा देर रात हुआ, जिससे बचाव कार्य में भी कठिनाई आई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुँचे और राहत कार्य शुरू किया। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचीं और घायलों को बाहर निकालकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नागरिक अस्पताल बंजार ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को आगे क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक मदन लाल कौशल ने बताया कि हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है और अन्य घायलों का इलाज जारी है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और तीखे मोड़ पर लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने पर्यटकों और वाहन चालकों से पहाड़ी क्षेत्रों में सावधानीपूर्वक और नियंत्रित गति से वाहन चलाने की अपील की है। घायलों की सूची-अभिनव मोदी, करन, कियान, मोहित, गिन्नी, आदित्य नारायण, लियाकत हुसैन, आंचल, मधुप शर्मा, आयुषी शर्मा, रोहित मेहरा, फिजा, आर्य जैन, निकिता, हरदीप सिंह, दीनू सैफी, शशि, अनुराग, अर्नव।

मौसम | बर्फबारी में फंसे पर्यटक सुरक्षित निकाले

हिमाचल में 11 अप्रैल तक मौसम खराब, ऑरेंज-येलो अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में अप्रैल की शुरूआत के साथ ही सर्दी ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी और कई जिलों में बारिश, ओलावृष्टि व तेज हवाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ है। लाहौल-स्पीति और अटल टनल रोहतांग क्षेत्र में बीती रात पर्यटकों के वाहन बर्फ में फंस गए, जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। मौसम विभाग ने 11 अप्रैल तक प्रदेश में मौसम खराब रहने और 9 अप्रैल तक कई इलाकों में ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी किया है।

हालांकि रविवार सुबह शिमला सहित कई पहाड़ी इलाकों में मौसम साफ बना हुआ है, लेकिन अगले दिनों में फिर से खराब होने का अनुमान है। बीते 24 घंटों के दौरान लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा के पांगी-भरमौर क्षेत्र में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार गोंधला में 28.5 सेंटीमीटर, केलांग में 20 सेंटीमीटर, हंसा में 5 सेंटीमीटर और कुकुमसेरी में 1.3 सेंटीमीटर बर्फ गिरी। रोहतांग दर्रा और अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल सहित आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई, जिससे सड़कें फिसलन भरी हो गईं और यातायात प्रभावित रहा। टल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल के पास भारी बर्फबारी के कारण करीब एक हजार वाहन बर्फ में फंस गए थे, जिनमें लगभग पांच हजार पर्यटक सवार थे। पुलिस और प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकालकर वाहनों को मनाली की ओर डायवर्ट किया। इसी तरह लाहौल-स्पीति में केलांग-उदयपुर मार्ग पर शोलिंग गांव के पास 10 से 12 वाहन बर्फ में फंस गए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी पर्यटकों, जिनमें बच्चे भी शामिल थे, को सुरक्षित होमस्टे और होटलों में ठहराया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

मंडी जिले ओलावृष्टि से फसलें हुई तबाह, किसानों बागवानों की टूटी कमर

मंडी। मौसम ने रविवार को फिर से कहर बरपाया। सुबह चटक धूप खिली, तापमान भी बढ़ गया मगर दोपहर बाद अचानक आसमान में घने काले बादल छा गए, दिन में ही अंधेरे जैसे हालात हो गए और देखते देखते बारिश, ओलावृष्टि शुरू हो गई। जिले के उपरी क्षेत्रों सराज, नाचन, करसोग, ड्राइंग में ओलावृष्टि ने फसलों पर कहर बरपाया। निचले क्षेत्रों में भी तेज बारिश के साथ ओले बरसे। तेज बारिश व ओलावृष्टि ने खड़ी फसलों, मटर, आलू, सेब व अन्य फलदार पौधों को भारी नुकसान पहुंचाया। शाम होते होते फिर से मौसम ठंडा हो गया। जिले के नाचन और सराज से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र में अचानक बदले मौसम ने किसानों बागवानों पर कहर बरपा दिया। तेज बारिश के साथ हुई भारी ओलावृष्टि ने मटर, प्लम, खुमानी, गोभी और गेंहू की फसल को भारी नुक्सान पहुंचाया है। कई पंचायतों में मटर की फसल इस समय फ्लॉवरिंग और फलियां बनने की अवस्था में थी जिस पर ओलों की सीधी मार पड़ने से किसानों को बड़ा आर्थिक झटका लगा है। चच्योट, शिल्हनू, नौंन, चौलचौक, देवधार और जहल और सराज के अनेक इलाको में ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। कई जगहों पर मटर का तुड़ान भी शुरू हो चुका था लेकिन अचानक हुई इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मुख्यमंत्री ने जींद विधानसभा के लिए करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की दी सौगात

रानी तालाब पर बनेगा ऑडिटोरियम, पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी, जींद के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जींद विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, सड़क सहित मुलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए कई अहम घोषणाएं की।इसके अलावा मुख्यमंत्री ने जींद विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए 5 करोड़ रुपए अतिरिक्त अनुदान देने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जींद के विकास में किसी प्रकार की कमीं नहीं रहने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री रविवार को जींद में धन्यवाद एवं विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिविल अस्पताल से पांडू पिंडारा गोहाना रोड का 4.5 करोड़ रुपये की लागत से डिवाडर का निर्माण किया जाएगा। ठण्डी हलवाई की दुकान से वाया रामराय गेट से झांज गेट से रूपया चौक तक मॉडल सड़क बनाने तथा रानी तालाब पर ऑडिटोरियम व पार्किंग के लिए 60 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने फायर स्टेशन का कार्यालय पुराना बस स्टैंड के स्थान पर स्थानांतरित करने और पालिका बाजार को स्मार्ट बाजार की तरह विकसित करने की भी मंजूरी दी। इसी प्रकार जींद शहर की सड़कों पर आधुनिक पोल व लाइटें लगाई जाएंगी। पुराने बस स्टैंड की जमीन पर नियमानुसार संबंधित विभाग को स्थानांतरित होने पर कम्युनिटी सेंटर का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मीट मार्किट को शहर के बाहर स्थानांतरित किया जाएगा, इस कार्य पर 5 करोड़ खर्च होंगे। वार्ड नंबर - 30 में भूमि उपलब्ध होने पर पार्क बनाने, जुलानी में पशु अस्पताल बनाने तथा अमरहेडी में पशु अस्पताल का नया भवन बनवाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने हैबतपुर को म्हारा गांव जगमग गांव योजना से जोड़ने की भी घोषणा की। उन्होंने शिव चौक वाया पंजाबी बाजार सिटी थाना क्षेत्र तक बिजली की लाइनों को 5 करोड़ की लागत से अंडरग्राउंड करवाने और गांव जुलानी की खेतों की बिजली की तारों को ठीक करवाया जाएगा। पैरामेडिकल कॉलेज को सामान्य अस्पताल परिसर की खाली भूमि में बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव अहीरका में उपस्वास्थ्य केंद्र बनाया जाएगा और जींद के नागरिक अस्पताल में शव गृह का पुनर्निर्माण किया जाएगा। राजकीय महाविद्यालय में आर्ट ब्लॉक का निर्माण करवाया जाएगा। एचएसवीपी कार्यालय भवन का सफीदों रोड पर 5 करोड़ से निर्माण किया जाएगा। ओम शांति, ब्राह्मण, धानक आदि सामाजिक संस्थाओं से एचएसवीपी में सेक्टर आवंटन के लिए आवेदन मिलने के बाद नियमानुसार प्लॉट दिए जाएंगे। उन्होंने हांसी ब्रांच पर पुल का निर्माण और आर डी 1650 से आर डी 17900 टेल तक पुनर्निर्माण करवाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नहर कॉलोनी का पुनर्निर्माण करवाया जाएगा, जिस पर 10 करोड़ रुपये की लागत आएगी। खेड़ी तलोड़ा में खेतों के रास्ते के लिए पुल का निर्माण किया जाएगा तथा इक्कस गांव में तालाब का सुधारीकरण किया जाएगा। गांव बरसौला गांव में वंश मुल्क तीर्थ का उद्धार करवाने और पांडू पिंडारा तीर्थ का 2 करोड़ की लागत से सौंदर्यकरण करवाने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि जींद रिंग रोड़ के निर्माण के लिए एनएचएआई को पत्र लिखा जाएगा और नई अप्रूड कॉलोनियों में सीवरेज लाइन व 10 एमएलडी एसटीपी का प्लांट लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेयजल सुविधा के लिए जींद शहर के विभिन्न स्थानों में 5 नए ट्यूबल लगाए जाएंगे। गांव कैरखेडी और अहिरका में नहरी पानी के लिए नई पाइप लाइन बिछाने की भी उन्होंने घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के मार्केटिंग बोर्ड की 15.85 कि.मी लंबाई की 6 सड़कों को 5 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से चौड़ीकरण किया जाएगा और देवी लाल चौक से रोहतक रोड़ बाईपास तक फोरलेन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दालमवाला होटल से एचएसवीपी वैस्टन यमुना कैनाल तक, पैराडाईज होटल से सोमनाथ मंदिर से वैश्चन यमुना कैनाल रोड को चौड़ाकरण किया जाएगा। जींद में आईएमटी संस्थान बनाने के लिए ई भूमि पोर्टल पर जमीन उपलब्ध होने पर कार्य किया जाएगा, साथ ही मार्केटिंग बोर्ड 67.42 कि.मी लंबी 25 सड़कों को डीएलपी के माध्यम से ठीक करवाया जाएगा। इसी प्रकार 20.68 किमी लंबाई की 8 सड़कों के मुरम्मत के लिए 4.63 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि पीडब्लयूडी की 70.13 कि.मी लंबाई की 25 सड़कों को जोकि डीएलपी अवधि में है उन्हें सम्बन्धित एजेंसी के माध्यम से ठीक करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 18.30 कि.मी लंबाई की 5 सड़कों की विशेष मरम्मत भी करवाई जाएगी, जिस पर 11 करोड़ रुपये खर्च आएंगे। विभिन्न गांवों में 25 किलोमीटर लम्बाई तक के खेतों के कच्चे रास्तों को खेत खलिहान योजना के तहत पक्का करवाया जाएगा।

सरकार की नीतियों का खामियाजा किसानों व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- नरवाना मंडी बंद-भाजपा सरकार की नीतियों पर कुमारी सैलजा का निशाना
- प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद किसानों को न तो उचित मुआवजा मिल रहा है और न ही उन्हें अपनी फसल मंडियों तक लाने में सहूलियत दी जा रही है

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने नरवाना मंडी के बंद होने पर भाजपा सरकार को घेरते हुए इसे उसकी गलत और अव्यवस्थित नीतियों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि फसल बिक्री से जुड़ी नई शर्तों ने आढ़तियों को मजबूर कर दिया, जिसके चलते मंडी बंद करने का फैसला लेना पड़ा।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों का खामियाजा अब किसानों, व्यापारियों और मंडी से जुड़े पल्लेदारों को भुगतना पड़ रहा है। किसानों पर अनावश्यक पाबंदियां लगाई जा रही हैं, जबकि व्यापारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद किसानों को न तो उचित मुआवजा मिल रहा है और न ही उन्हें अपनी फसल मंडियों तक लाने में सहूलियत दी जा रही है। इसके उलट कई तरह की शर्तें लगाकर उनकी मुश्किलें बढ़ाई जा रही हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह तुरंत अपनी नीतियों में बदलाव करे और किसानों, व्यापारियों व मजदूरों को राहत देने के लिए व्यावहारिक समाधान लागू करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया तो प्रदेश की कृषि और व्यापार व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा।

विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को रखना होगा स्वास्थ्य पर फोकस : डॉ. सारा अग्रवाल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

लोक नायक जय प्रकाश राजकीय नागरिक अस्पताल की पीएमओ डा सारा अग्रवाल ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। इस के लिए सभी साइकिल को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। इस समाज को साइकिल के साथ जोड़ने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण कुरूक्षेत्र की तरफ से लगातार प्रयास किए जा रहे है।

पीएमओ डा सारा अग्रवाल भारतीय खेल प्राधिकरण की तरफ रविवार को आयोजित साइकलोथान कार्यक्रम में बोल रही थी। इस साइकलोथान में युवाओं ने भाग लिया। इस से पहले पीएमओ डा सारा अग्रवाल, डिप्टी सीएमओ डा अंजली वैद्य, डा बलराज कुमार, डीआईपीआरओ डा नरेंद्र सिंह, सेवानिवृत्त डीएसओ यशवीर सिंह, हाकी कोच नरेंद्र ठाकुर ने साइकलोथान को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस साइकलोथान के प्रतिभागियों ने कई किलोमीटर साइकिल चलाई। पीएमओ डा सारा अग्रवाल ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत के क्षेत्रीय निदेशिका रीतू पतीक आदेशानुसार व सहायक निदेशक विजय मनचंदा के मार्गदर्शन में युवाओं को शामिल कर साइकलोथान का आयोजन किया गया। इस साइकलोथान का आयोजन करते हुए एक साल से ज्यादा समय हो चुका है। इस लक्ष्य है कि लोगों को फिट रहने के प्रति जागरूक करना है।

उन्होंने कहा कि साई की तरफ से निकाली जा रहीं साइकलोथान में हर वर्ग के लोगों को शामिल किया गया है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर सेवानिवृत्त हाकी चीफ कोच गुरविंद्र सिंह, हाकी कोच नरेंद्र ठाकुर, हाकी कोच सोहन लाल, समाजसेवी विनोद गर्ग, वीरभान सिंह, नरेश सैनी आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त-समाचार

किसानों को अनाज मंडियों में फसल बेचने में नहीं आने दी जाएगी दिक्कत: कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि किसान हित राज्य सरकार के लिए सर्वोपरि है। वर्तमान रबी सीजन में किसान वर्ग को कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। यह बात मंत्री ने शनिवार सायं स्थानीय नरवाना के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जन समस्याएं सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। मंत्री ने कहा कि गेहूं खरीद के सीजन को लेकर प्रदेश सरकार ने अनाज मंडियों में पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी किसान, व्यापारी या पल्लेदार को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी और पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित होगी। धमतान साहिब में बिजली विभाग के सब डिवीजन को मंजूरी मिलने पर कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने बताया कि यह मांग मुख्यमंत्री के नरवाना दौरे के दौरान रखी गई थी, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि धमतान साहिब क्षेत्र के लोगों को पहले नरवाना और गढ़ी तक जाना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती थी। अब एसडीओ के वहीं बैठने से स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं का समाधान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की सख्ती का ही असर है कि अब गैस वितरण व्यवस्था सुचारू हो गई है और गांवों में भी गैस की होम डिलीवरी शुरू कर दी गई है।

अमर शहीदों से जाना जाता है दक्षिणी हरियाणा : आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने रेवाड़ी जिला के गांव भांडोर में शहीद कैलाश चंद की प्रतिमा का अनावरण किया।स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस अवसर पर कि शहीद केवल किसी एक परिवार या गांव तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे पूरे देश की धरोहर होते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा की पहचान ही अमर शहीदों से है, जहां हर घर से सैनिक और हर गांव से वीरों की गाथाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने शहीद कैलाश चंद की शहादत को याद करते हुए बताया कि वर्ष 1993 में छत्तीसगढ़ में चुनाव ड्यूटी के दौरान माओवादियों से मुठभेड़ में उन्होंने वीरगति प्राप्त की थी। उनकी यह शहादत सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी। आरती सिंह राव ने शहीद की वीरांगना भतेरी देवी और उनके परिवारजनों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन भी दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि रेवाड़ी जिला के गांव माजरा में निमार्णाधीन एम्स में एमबीबीएस की 50 सीटों को स्वीकृति मिल चुकी है। अब जल्द ही एम्स में ओपीडी शुरू करवाई जाएगी। वह जल्द ही एम्स का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लेंगी। उन्होंने बताया कि पूरे हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं को सुद्दढ़ किया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में आधुनिक मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही है। रोहतक पीजीआई में निरीक्षण के दौरान मिली लापरवाही पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से जवाब तलब किए गए हैं।

आधार कार्ड को निशुल्क अपडेट कराने की तारीख बढ़ाई 14 जून: विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड को निशुल्क अपडेट कराने की तारीख बढ़ाकर 14 जून कर दी गई है। यह मुफ्त सेवा केवल ह्यमाय आधार पोर्टलह्न पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को नाम, जन्म तिथि, रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। निर्धारित तिथि के बाद आधार अपडेट के लिए शुल्क देना होगा। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका मोबाइल नंबर उनके आधार से लिंक है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना जरूरी है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने राज्यपाल से की भेंट, 35वें दीक्षांत समारोह हेतु जताया आभार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के माननीय राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट कर विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह के सफल एवं भव्य आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवाएवं कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पालभी उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण हाल ही में संपन्न दीक्षांत समारोह है।

शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र खटकड़ ने कहा कि दीक्षांत समारोह अत्यंत गरिमामय एवं सुव्यवस्थित रहा, जिसने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने राज्यपाल, कुलपति एवं कुलसचिव के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने शिक्षक समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध को और सुदृढ़ करने पर बल दिया।

इस दौरान शिक्षक संघ ने विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को निरंतर प्रोत्साहित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने भी शिक्षक संघ के सहयोग की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के पदाधिकारी हवन यज्ञ में हुए शामिल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के अंतर्गत महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल दबखेड़ी एवं मोती चौक में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ हुआ। महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल दबखेड़ी एवं मोती चौक में विशाल सिंगला प्रधान श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र एवं हरमेश गोयल के द्वारा श्रद्धा के साथ हवन में प्रथम आहुति करके शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और सभी विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं स्टाफ सदस्यों ने पूर्ण आस्था के साथ हवन में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल जीवन की कामना की गई। हवन-यज्ञ के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हुए नए सत्र की मंगलमय शुरूआत की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका सिंगला ने भी विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह नया सत्र विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं और उपलब्धियों का द्वार खोलेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया और सभी ने मिलकर नए सत्र को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्था के उप प्रधान जितेन्द्र गोयल, कोषाध्यक्ष विशेष गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य गण गौरव मित्तल, जयपाल गोयल, प्रमोद बंसल, कुलवंत गर्ग, कपिल मित्तल, ओमप्रकाश सिंगला, जितेन्द्र अग्रवाल, प्रशासक विकास बंसल, योगेश गर्ग, सहित सभी शिक्षक व स्कूल के स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में विश्व शांति यज्ञ का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

विश्व में शान्ति और आपसी सौहार्द की पुनीत भावना के निमित्त गुरुकुल कुरुक्षेत्र के ब्रह्मचारियों द्वारा आज ह्यविश्व शान्ति यज्ञह्न किया गया जिसमें यज्ञ ब्रह्मा की महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन सुनील शास्त्री द्वारा किया गया। यज्ञ में गुरुकुल के सभी छात्रों ने सहभागिता की और पूरे मनोयोग से यज्ञ सम्पन्न कराया। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान धर्मवीर आर्य के विशेष आग्रह पर सभा से संबद्ध सभी गुरुकुल, शिक्षण संस्थान और आर्य समाजों में रविवार 5 अप्रैल 2026 को ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाःह्न की पावन भावना को लेकर ह्यविश्व शान्ति यज्ञ एवं प्रार्थना सभाह्न का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि यज्ञ से जहां हमारे भीतर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है, वहीं समाज में शान्ति, सद्भाव और सकारात्मक विचारों का प्रसार होता है। यह आर्य प्रतिनिधि सभा की एक जागरूक सामाजिक पहल है जिसका सभी को खुले दिल से स्वागत करना चाहिए। यज्ञ के उपरान्त सभी विद्यार्थियों को मुख्य संरक्षक संजीव आर्य का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को यज्ञ से होने वाले प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभों के विषय विस्तृत जानकारी दी।

जींद में मुख्यमंत्री ने किया 253 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जींद में आयोजित धन्यवाद व विकास रैली में 253 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया है। मुख्यमंत्री ने 140 करोड़ 87 लाख 8 हजार रुपये की 12 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 112 करोड़ 14 लाख 10 हजार रुपये की लागत की 3 परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। उनमें सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा 16 करोड़ 28 लाख 30 हजार रुपये की लागत से बनाई गई जींद डिस्ट्रीब्यूटरी नंबर-4 के पुनर्निर्माण का कार्य शामिल है। इसके अलावा 39 करोड़ 49 लाख 80 हजार रुपये की लागत से गांव स्तर पर आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई व्यवस्था तथा इंटल खुर्द गांव में जल भंडारण के लिए बैलेंसिंग जलाशय निर्माण कार्य भी शामिल है। वहीं, मुख्यमंत्री ने जींद स्थित चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव अम्बेडकर लाईब्रेरी बिल्डिंग का भी उद्घाटन किया, जिस पर 56 करोड़ 36 लाख रुपए खर्च हुए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 12 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। जिनमें हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) द्वारा 3 करोड़ 18 लाख 81 हजार रुपये की लागत से गांव मनोहरपुर में बनाए जाने वाले परचेज सेंटर, लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी बीएंडआर) द्वारा ऑफिसर कॉलोनी में 16 करोड़ 61 लाख 4 हजार रुपये की लागत से राजस्व अधिकारियों के लिए बनाए जाने वाले 56 आवासीय भवन, 3 करोड़ 14 लाख 62 हजार रुपये की लागत से दालमवाला-जीवनपुर-नगुरा मार्ग तथा दरियावाला से बरसौला मार्ग की विशेष मरम्मत तथा जींद-हांसी मार्ग से जींद-भिवानी मार्ग तक बायपास (आरडी 5.375 से 5.567, मार्ग पहचान संख्या 10121) का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का कार्य भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने गांव निर्जन एप्रोच मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण तथा जींद-सफीदों से हैबतपुर-खोखरी-बोहतवाला-दालमवाला होते हुए कंडेला मार्ग (परशुराम चैक से बायपास तक) का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का शिलान्यास भी किया। इस पर 4 करोड़ 56 लाख 90 हजार रुपये की लागत आएगी। साथ ही, उन्होंने सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत पानीपत से सफीदों (राज्य मार्ग-11) तथा सफीदों से जींद (राज्य मार्ग-14) मार्ग का फोर-लेनिंग, चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का शिलान्यास भी किया। इस पर 56 करोड़ 61 लाख 4 हजार रुपये खर्च होंगे। उन्होंने जिला सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग द्वारा 9 करोड़ 98 लाख 40 हजार रुपये की लागत से समेकित सैनिक सदन के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इसके साथ ही, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत गांव कंडेला में 9 करोड़ 90 लाख 83 हजार रुपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य, जल निकासी प्रणाली को सुद्दढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 1 करोड़ 9 लाख 19 हजार रुपए की लागत से मनोहरपुर ड्रेन खुदाई परियोजना का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने 35 करोड़ 76 लाख 25 हजार की लागत से पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग की परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया है। इनमें जलालपुरा कलां, इंटल कलां व इंटल खुर्द में 3 नहर आधारित परियोजनाओं का निर्माण कार्य तथा 2 मौजूदा कार्यों का विस्तार का शामिल है। इसके तहत संगतपुरा, जाजवान व ढांडा खेड़ी गांवों को कॉमन पंपिंग स्टेशन के माध्यम से पानी की आपूर्ति एवं डीआई पाइपलाइन बिछाने के कार्य होंगे।

संपादकीय

अमृत भारत कोच का नया अवतारः अब ट्रेन सफर होगा पहले से ज्यादा आरामदायक और स्मार्ट!

भारतीय रेल देश की अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन की धुरी रही है, लेकिन बदलते दौर में यात्रियों की अपेक्षाएं भी पहले से कहीं अधिक व्यापक और आधुनिक हो गई हैं। अब यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का साधन नहीं रह गई, बल्कि यह सुविधा, स्वच्छता, सुरक्षा और बेहतर अनुभव का मिश्रण बन चुकी है। इसी बदलती जरूरत को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने 'अमृत भारत कोच' की अवधारणा को आगे बढ़ाया है, जिनका हाल ही में रेल मंत्री द्वारा निरीक्षण किया गया। इन कोचों में किए गए बदलाव न केवल तकनीकी रूप से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह भारतीय रेल के बदलते दृष्टिकोण को भी स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। अमृत भारत कोचों की सबसे प्रमुख विशेषता उनका आधुनिक और आकर्षक इंटीरियर है। पारंपरिक कोचों में जहां गहरे और सीमित रंगों का इस्तेमाल होता था, वहीं इन नए कोचों में हल्के, संतुलित और सुकून देने वाले रंगों को प्राथमिकता दी गई है। यह बदलाव केवल सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर यात्रियों के मानसिक अनुभव पर भी पड़ता है। लंबे सफर के दौरान शांत और संतुलित रंग यात्रियों को तनावमुक्त रखने में मदद करते हैं और यात्रा को अधिक सुखद बनाते हैं। इन कोचों में पीवीसी फ्लोरिंग का उपयोग एक और बड़ा बदलाव है। पारंपरिक फर्श की तुलना में पीवीसी अधिक टिकाऊ, मजबूत और साफ-सफाई के लिहाज से बेहतर विकल्प माना जाता है। भारतीय रेल जैसी विशाल और भीड़भाड़ वाली प्रणाली में जहां रोजाना लाखों लोग यात्रा करते हैं, वहां स्वच्छता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। पीवीसी फ्लोरिंग के इस्तेमाल से सफाई प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है और कोच लंबे समय तक साफ-सुथरे बनाए रखे जा सकते हैं। इससे न केवल यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा, बल्कि रखरखाव की लागत और समय भी कम होगा। आराम के स्तर पर भी अमृत भारत कोचों में कई अहम सुधार किए गए हैं। सीटों और बर्थ को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यात्रियों को बेहतर सपोर्ट और अधिक सुविधा मिल सके। कुशनिंग को पहले से अधिक आरामदायक बनाया गया है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा के दौरान थकान कम महसूस होती है। साथ ही, कोच के अंदर जगह के बेहतर उपयोग पर भी ध्यान दिया गया है, ताकि भीड़भाड़ के बावजूद यात्रियों को पर्याप्त स्पेस मिल सके। यह बदलाव खास तौर पर सामान्य और स्लीपर श्रेणी के यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था में भी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। बेहतर एयर सकुर्लेशन सिस्टम से कोच के अंदर ताजी हवा का प्रवाह सुनिश्चित होता है, जिससे घुटन और असुविधा की समस्या कम होती है। एलईडी लाइटिंग का इस्तेमाल न केवल ऊर्जा की बचत करता है, बल्कि यह आंखों के लिए भी अधिक अनुकूल होता है। इस तरह के छोटे-छोटे सुधार मिलकर यात्रा के समग्र अनुभव को बेहतर बनाते हैं। सुरक्षा के क्षेत्र में भी अमृत भारत कोच एक कदम आगे हैं। इन कोचों में उन्नत ब्रेकिंग सिस्टम, मजबूत संरचना और आधुनिक फायर सेफ्टी फीचर्स को शामिल किया गया है। यात्रियों की सुरक्षा भारतीय रेल की प्राथमिकता रही है, और इन नए कोचों में इसे और अधिक मजबूती से लागू किया गया है। दुर्घटनाओं की स्थिति में नुकसान को कम करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन में विशेष सावधानी बरती गई है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चार्जिंग पॉइंट्स, बेहतर टॉयलेट्स और उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजाइन को भी शामिल किया गया है। टॉयलेट्स में स्वच्छता बनाए रखने के लिए आधुनिक फिटिंग्स और जल प्रबंधन प्रणाली को बेहतर किया गया है। चार्जिंग पॉइंट्स आज के डिजिटल युग की एक जरूरी जरूरत बन चुके हैं, और इन्हें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराया गया है ताकि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। अमृत भारत कोचों का एक महत्वपूर्ण पहलू उनकी लागत-प्रभावशीलता भी है। आधुनिक सुविधाओं से लैस होने के बावजूद इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि लागत नियंत्रण में रहे। इससे रेलवे को बड़े पैमाने पर इन कोचों का उत्पादन और उपयोग करने में आसानी होगी। यह पहल 'कम लागत में अधिक सुविधा' के सिद्धांत पर आधारित है, जो भारतीय परिस्थितियों के लिए बेहद उपयुक्त है। रेल मंत्री के निरीक्षण से यह भी संकेत मिलता है कि सरकार भारतीय रेल को केवल विस्तार तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि गुणवत्ता और अनुभव के स्तर पर भी इसे वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना चाहती है। अमृत भारत कोच इस व्यापक सोच का हिस्सा हैं, जो देश की बढ़ती आकांक्षाओं और बदलती जीवनशैली को दर्शाते हैं। हालांकि, इन कोचों की वास्तविक सफलता उनके प्रभावी क्रियान्वयन और रखरखाव पर निर्भर करेगी। यदि इनकी देखभाल में लापरवाही बरती गई, तो आधुनिक सुविधाएं भी जल्द ही अपना प्रभाव खो सकती हैं। इसलिए रेलवे को न केवल इन कोचों को तेजी से लागू करना होगा, बल्कि इनके रखरखाव के लिए भी एक मजबूत प्रणाली विकसित करनी होगी। कुल मिलाकर, अमृत भारत कोच भारतीय रेल के आधुनिकीकरण की दिशा में एक अहम मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। ये कोच न केवल यात्रियों के सफर को अधिक आरामदायक और सुरक्षित बनाएंगे, बल्कि भारतीय रेल की छवि को भी एक नई पहचान देंगे। यदि इसी तरह के सुधार लगातार जारी रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब भारतीय रेल वैश्विक स्तर पर आधुनिक और विश्वसनीय परिवहन प्रणाली के रूप में स्थापित होगी।

डीएनटी, एनटी, एसएनटी समुदाय है अदृश्य भारत की पहचान और उम्मीदों का नया द्वार

कैलाश चन्द्र (हि.स)

भारत की स्वाधीनता को 77 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन देश का एक बड़ा हिस्सा आज भी अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है–ये हैं डिनोटिफाइड, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदाय, जिन्हें हम डीएनटी, एनटी, एसएनटी समुदाय के नाम से जानते हैं। अनुमान लगाया जाता है कि इनकी जनसंख्या आठ से ग्यारह करोड़ के बीच है, पर विडंबना यह है कि भारत की किसी भी राष्ट्रीय जनगणना ने इन्हें कभी अलग श्रेणी में नहीं गिना। इसी कारण 2027 की प्रस्तावित जनगणना को लेकर इन समुदायों में नई आशा जन्मी है, क्योंकि पहली बार उनकी पहचान साफ-साफ दर्ज होने की संभावना बन रही है।

इन समुदायों की पीड़ा इतिहास की धूल में दबी पड़ी है। 1871 के क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट ने लगभग 150-200 समुदायों को 'जन्मजात अपराधी' घोषित कर दिया था। 1952 में यह कानून भले ही खत्म हुआ, लेकिन समाज की नजरों में अपराधीकरण का दाग अब तक नहीं मिटा। आज भी कई जगह पुलिस निगरानी, सामाजिक भेदभाव और अविश्वास का सामना उन्हें करना पड़ता है।

स्वतंत्र भारत की जनगणनाओं में इन समुदायों के लिए अलग जगह न होना भी एक और बड़ी कमी रही है। सरकार का तर्क यह रहा कि इनकी पहचान राज्य-वार सूचियों में पहले से मौजूद है, लेकिन विशेषज्ञ इसे नीति की अस्पष्टता और प्रशासनिक सुस्ती बताते हैं। स्थिति इतनी जटिल है कि एक ही समुदाय एक राज्य में अनुसूचति जाति (एससी), दूसरे में अनुसूचित जनजाति (एसटी), तीसरे में ओबीसी और कहीं-कहीं किसी भी सूची में नहीं मिलता। नतीजतन योजनाओं, छात्रवृत्तियों, आरक्षण और पुनर्वास में भारी असमानताएँ पैदा होती हैं।

वस्तुतः कई आयोगों ने तो यहाँ तक उल्लेख किया है कि इन समुदायों के नाम पर आने वाला फंड अक्सर उनसे पहले ही किसी और द्वारा खपा लिया जाता है। स्थायी पते की कमी ने इन्हें पहचान-पत्रों, राशन कार्डों, बैंकिंग सुविधाओं और स्वास्थ्य योजनाओं से भी दूर रखा है। 'रेन्के कमीशन' ने कहा था कि सरकारी संसाधन इन समुदायों तक शायद ही पहुँच पाते हैं। दो बड़े आयोग, रेनके (2008) और इदाते (2018) ने विस्तृत अध्ययन कर कई महत्वपूर्ण सिफारिशें कीं, पर उनका क्रियान्वयन आज भी बेहद सीमित है। सुप्रीम कोर्ट भी इस विषय को सरकार की नीति का हिस्सा मानकर हस्तक्षेप से पीछे हट गया है, जिससे इन समुदायों की निगाहें अब पूरी तरह केंद्र सरकार के निर्णय पर टिकी हैं।

दुखद यह है कि भारत के मीडिया और राष्ट्रीय विमर्श में भी ये समुदाय लगभग अदृश्य बने हुए हैं। जहाँ सामाजिक न्याय की बहसें अक्सर एससी/एसटी/ओबीसी के इर्द-गिर्द घूमती हैं, वहीं डीएनटी, एनटी, एसएनटी समुदायों का उल्लेख मुश्किल से देखने को मिलता है। विशेषज्ञ इसे 'भारत का अदृश्य सामाजिक वर्ग' कहते हैं, लेकिन इस अँधेरे में भी आशा की किरण है। 2027 की जनगणना यदि इन्हें अलग पहचान दे दे, तो पहली बार देश को इनके वास्तविक आँकड़े मिलेंगे, नीतियाँ सटीक बनेंगी, फंडिंग का लक्ष्यीकरण बेहतर होगा और सदियों पुरानी उपेक्षा को दूर करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया जा सकेगा।

यही कारण है कि इन समुदायों का कहना है, 'पहचान ही अधिकार का पहला कदम है।' इन सबके बीच एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के घुमंतू-अर्धघुमंतू समुदायों के बीच गहरा और निरंतर काम किया है। संघ के स्वयंसेवकों ने प्रशासन के साथ मिलकर 50,000 से अधिक परिवारों को आधार कार्ड, राशन कार्ड और पहचान-पत्र उपलब्ध कराए, जिससे वे पहली बार सरकारी योजनाओं और जनकल्याण व्यवस्था से जुड़ सके।

संघ द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों, जैसे सिलाई, बढ़ईगीरी, हस्तशिल्प, कृषि तकनीक, मोबाइल रिपेयरिंग और लोककला प्रशिक्षण ने अनेक परिवारों में आत्मनिर्भरता का नया भाव जगाया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रमों ने समुदायों का आत्मविश्वास बढ़ाया है और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस पूरे परिदृश्य में एक बात स्पष्ट है कि भारत का यह बड़ा और बहु-आयामी सामाजिक वर्ग अब भी मान्यता और सम्मान की प्रतीक्षा में है। 2027 की जनगणना उनके लिए सिर्फ आँकड़ों का सवाल नहीं है, यह तो उनकी पहचान और सम्मान की पहली सीढ़ी है। देश यह कदम कब और कैसे उठाता है, यही आने वाले समय में इन समुदायों के भविष्य का निर्धारण करेगा।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं)

आज का राशिफल

मेषः कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतरू ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। *(सिटी दर्पण)*

धनुः व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। *(सिटी दर्पण)*

मकरः समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीनः जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात्दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। *(सिटी दर्पण)*

भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गर्वनमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है।

इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरूआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती।

'मिशन कर्मयोगी' को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशन–जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित 'क्षमता निर्माण आयोग' द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करनाइसका मकसद है। जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव 'कर्मचारी'– यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारीसे 'कर्मयोगी' बनने की ओर हैः एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो।

डॉ जितेंद्र सिंह

पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। 'आईगॉट'(इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं – यह एक ऐसी संख्या है जो शुरूआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। अकेले पिछले 'राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह' के दौरान, भागीदारी के परिणामस्वरूप 4.5 मिलियन घंटे के पाठ्यक्रम नामांकन और 3.8 मिलियन घंटे की वास्तविक शिक्षा दर्ज की गई। ये केवल अमूर्त आंकड़े नहीं हैं। दर्ज किया गया प्रत्येक घंटा भारत में कहीं न कहीं एक लोक सेवक का प्रतिनिधित्व करता है – छत्तीसगढ़ में एक राजस्व निरीक्षक, पुणे में एक शहरी स्थानीय निकाय अधिकारी, मणिपुर में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ये सब अपने साथी नागरिकों की बेहतर सेवा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ा रहें हैं।

जो बात आईगॉटप्लेटफॉर्म को वास्तव में परिवर्तनकारी बनाती है, वह केवल इसका पैमाना नहीं है, बल्कि इसकी 'पहुँच की संरचना' है। यह किसी भी समय और कहीं भी, स्मार्टफोन या डेस्कटॉप पर, कई भाषाओं में उपलब्ध है, और इसे शिक्षार्थी के पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार बनाया गया है। पाठ्यक्रमों को हर तीन से छह महीने में अपडेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शासन में एआई टूल का उपयोग कैसे करें या नए वित्तीय नियमों को कैसे समझें, इससे संबंधित सामग्री वर्तमान और प्रासंगिक बनी रहे। दूसरे शब्दों में, यह प्लेटफॉर्म धूल फांकने वाली कोई डिजिटल लाइब्रेरी नहीं है – बल्कि यह सीखने का एक जीवंत और अनुकूलन योग्य तंत्र है।इस पर विचार कीजिए कि एक आदिवासी जिले की जूनियर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए इसका क्या अर्थ है, जिसे उसकी अपनी भाषा में बाल पोषण मूल्यांकन के नवीनतम प्रोटोकॉल समझाने वाला एक मॉड्यूल प्राप्त होता है। उसे अपने ब्लॉक में किसी प्रशिक्षक के आने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। वह सीखती है, और कार्य करती है। यही इस मिशन का 'लोकतांत्रिक लाभांश' है।

क्षमता निर्माण आयोग, इस तंत्र के रणनीतिक संरक्षक के रूप में, एक साथ 'वास्तुकार' और 'संचालक' दोनों की भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय नीति बनाने वाले एक सचिव से लेकर ग्राम स्तर पर इसे लागू करने वाले एक पंचायत पदाधिकारी तक, यह पहचान करता है कि सार्वजनिक भूमिकाओं के विशाल स्पेक्ट्रम में किन योग्यताओं की आवश्यकता है। यह सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानक 2.0 ढांचे के माध्यम से देश के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित करता है, जिसके तहत देश भर के 200 से अधिक प्रशिक्षण संस्थान पहले ही मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। यह राज्यों के साथ मिलकर काम करता है। सभी 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अब औपचारिक समझौता ज्ञापनों के माध्यम से जुड़ चुके हैं ताकि ऐसी विशिष्ट क्षमता निर्माण योजनाएं' तैयार की जा सकें जो कार्यबल की दक्षताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ जोड़ती हैं। 'राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम' जैसी ऐतिहासिक पहलों के माध्यम से, इसने एक मिलियन से अधिक प्रमाणित अधिकारियों को बड़े पैमाने पर व्यवहार प्रशिक्षण दिया है, जो प्रत्येक नागरिक को अंतिम हितधारक के रूप में मानने की सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण कला है।

मिशन के इस अंतिम आयाम पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक ऐसी चीज के बारे में है जिसे 'पूर्णता प्रमाण पत्र' या 'लॉग किए गए घंटों' में आसानी से नहीं मापा जा सकता। मिशन कर्मयोगी की सबसे गहरी आकांक्षाओं में से एक है– दृष्टिकोण में बदलाव। यह राज्य और नागरिक के बीच एक 'लेन-देन' वाले संबंध से हटकर 'नागरिक देवो भव' की भावना से परिभाषित संबंध की ओर एक आंदोलन हैः नागरिक ईश्वर के समान है, वह सर्वोच्च अधिकारी है जिसके प्रति राज्य का सेवक जवाबदेह है। जब रेलवे काउंटरों, राजस्व कार्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों पर नागरिक-केंद्रित अधिकारियों को इसके तहत प्रशिक्षित किया गया और बाद में नागरिकों का सर्वेक्षण किया गयातो प्रतिक्रिया आश्चर्यजनक थी। उन्होंने बदलाव को महसूस किया। न केवल दक्षता में, बल्कि व्यवहार की आत्मीयता, तत्परता और बातचीत की मानवीय गुणवत्ता में भी। एक ऐसे युग में जब एआई प्रशासनिक कार्यों के विशाल हिस्सों को स्वचालित करने की चुनौती दे रहा है, यह मानवीय परत, जो सहानुभूतिपूर्ण, सांस्कृतिक रूप से जागरुक और स्थानीय जड़ों से जुड़ी है कोई फालतू चीज नहीं, बल्कि भारत के शासन की सर्वोच्च शक्ति है।

इस मिशन ने अपनी तकनीकी महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ भारत की बौद्धिक विरासत का सम्मान करने का भी एक सचेत प्रयास किया है। 'भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ' के माध्यम से, पारंपरिक ज्ञान जिसमें सामुदायिक शासन और कृषि से लेकर वित्त और स्वास्थ्य सेवा तक के क्षेत्र शामिल हैं – को प्रशिक्षण सामग्री के ताने-बाने में बुना जा रहा है; इसे केवल अतीत की यादों के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत ज्ञान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। 'अमृत ज्ञान कोष' भंडार, जिसमें 70 से अधिक पूर्ण केस स्टडीज शामिल हैं, शासन-प्रशासन से जुड़े ऐसे ज्ञान का एक संग्रह तैयार कर रहा है जिसकी जड़ें भारतीय संदर्भों और भारतीय समाधानों में निहित हैं। प्रशासनिक मानसिकता का यह 'वि-औपनिवेशीकरण', जिसके तहत भारतीय लोक सेवकों को आधुनिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी ही सभ्यतागत विरासत के साथ आत्मविश्वासपूर्ण जुड़ाव स्थापित करने की ओर लौटाया जाता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख आकांक्षाओं में से एक हैऔर 'मिशन कर्मयोगी' इसी आकांक्षा को साकार रूप दे रहा है।

'साधना' सप्ताह 2 से 8 अप्रैल तक मनाया जाने वाला राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह – इस पांच वर्षीय यात्रा का उत्सव और इसके अधूरे कार्यों के प्रति पुनर्संकल्प, दोनों है। 'साधना' शब्द यहाँ अत्यंत उपयुक्त है। इसका अर्थ है समर्पित अभ्यास; एक ऐसे व्यक्ति का अनुशासित दैनिक प्रयास जो किसी एक असाधारण कार्य के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने कौशल के प्रति निरंतर समर्पण के माध्यम से निपुणता प्राप्त करना चाहता है। जैसे ही हम सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के एक 'राष्ट्रीय सम्मेलन' के साथ इस सप्ताह का उद्घाटन कर रहे हैं, जिसमें लगभग 700 वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से और 3,000 से अधिक वर्चुअल माध्यम से शामिल हो रहे हैं, हम केवल एक वर्षगाँठ नहीं मना रहे हैं। हम अगले पांच वर्षों के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं – एक ऐसे भविष्य की ओर जिसमें हर स्तर पर प्रत्येक सिविल सेवक निरंतर सीखने वाला, एक 'नागरिक-चैंपियन' और भारत की आकांक्षाओं का एक आत्मविश्वासी संरक्षक होगा।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य – सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से लेकर शून्य शुद्ध उत्सर्जन के संकल्प तक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर वैश्विक विनिर्माण नेतृत्व तक, केवल नीतिगत माध्यम से पूरे नहीं होंगे। वे लोगों के माध्यम से पूरे होंगेः उस जिला अधिकारी द्वारा जो योजना को सही ढंग से समझ कर उसे पूरी शुद्धता के साथ लागू कर सके; उस शहरी योजनाकार द्वारा जो स्थानिक डेटा टूल का उपयोग कर सके; उस अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा जो सार्वजनिक स्वास्थ्य अलर्ट को इस तरह संप्रेषित करे कि उसका समुदाय उस पर भरोसा करे। मिशन कर्मयोगी न केवल कल के लिए, बल्कि आने वाले दशकों के लिए उसी दल का निर्माण कर रहा है।

भारत की शासन-व्यवस्था की कहानी के लंबे और प्रकाशमान सफर में, यह शायद वह अध्याय है जिसमें शासन ने आखिरकार 'सीखना' सीख लिया।

(लेखक केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग और कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्रीहैं)

विधायी नेतृत्वः नीतिनिर्धारण में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की परिवर्तनकारी शक्ति

अन्नपूर्णा देवी

भारत के समक्ष एक असाधारण अवसर है– अपनी विधायिकाओं को नया आकार देने, महिलाओं केनेतृत्व को आगे बढ़ाने और एक ऐसे लोकतंत्र की रचना करने का-जो सही मायनों में अपने लोगों की शक्ति को प्रतिबिंबित करता हो। जब महिलाएँ शासन में अपना उचित स्थान ग्रहण करती हैं, तब सभी की आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर नीतियाँ बनती हैं, और राष्ट्र अधिक उद्देश्य और शक्ति के साथ आगे बढ़ता है।

सितंबर 2023 में पारितसंविधान (एक सौ छठा संशोधन) अधिनियम – नारी शक्ति वंदन अधिनियम –हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक सुधारों में से एक है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनाया गया यह कानून हमारे देश के लोकतांत्रिक ढाँचे में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति को दशार्ता है।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के विजन में निहित यह ऐतिहासिक कानून, लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान करते हुएविकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक साहसिक कदम है।

यह मात्र संवैधानिक प्रावधान से कहीं बढ़कर है–यह एक परिवर्तनकारी विजन का संस्थागत रूप है, जहाँ महिलाएँ केवल लोकतंत्र में भागीदारी ही नहीं करतीं, बल्कि उसके ताने-बाने को भी आकार देती हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास कोदिए गए निरंतर समर्थन ने लंबे समय से चली आ रही उम्मी्दों को हकीकत में बदलने की मजबूत प्रेरणा प्रदान की है।

भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को केवल अधिक महिलाओं की ही नहीं, बल्कि ऐसी महिलाओं की आवश्यकता है जिनके पास नीतिगत परिणामों को आकार देने के लिए अधिकार, क्षमता और पर्याप्त अवसर हों। वर्तमान सरकार ने पिछले एक दशक में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे इस विधायी परिवर्तन के लिए मजबूत आधार तैयार हुआ है।जन धन खाताधारकों में 56% से अधिक महिलाएँ हैं, जिससेवित्तीय समावेशन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलता है। मुद्रा योजना के लगभग 67% लाभार्थी महिलाएँ हैं, जो उद्यमिता में उनकी बढ़ती भूमिका को दशार्ता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 73% से अधिक मकान महिलाओं के नाम पर हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शनों ने घरेलू जीवन स्तर में सुधार किया है।ये सभी कदम एक स्पष्ट नीतिगत दिशा –भागीदारी के जरिए सशक्तिकरण-की ओर इंगित करते हैं हालांकि, अब ध्यान भागीदारी से आगे बढ़कर निर्णय-लेने तक पहुँचने पर केंद्रित है।

हमारे देश का अपना अनुभव एक मजबूत मानक प्रस्तुत करता है। स्थानीय स्तर पर, अब पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग 50% महिलाएँ हैं, यानी12 लाख से अधिक नेताओं के रूप में वे स्थानीय शासन को दिशा दे रही हैं। उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।महिला-नेतृत्व वाली स्थानीय संस्थाओं ने विकास से जुड़े जल, स्वच्छता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य देखरेख जैसे प्रमुख मुद्दों पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है, जो दशार्ता है कि नेतृत्व में विविधता नीति निर्माण में सकारात्मक बदलाव लाती है।

अब यह प्रश्न नहीं रह गया है कि महिलाएँ प्रभावी नेतृत्व कर सकती हैं या नहीं; इसके प्रमाण पहले से मौजूद हैं। अब समय आ गया है कि भारत की उच्च विधायी संस्थाएँ महिलाओं के नेतृत्व को पूर्ण रूप से अपनाएँ और उसे बढ़ाएँ। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने पहले ही आधार तैयार कर दिया है, जो सार्थक प्रतिनिधित्व के लिए एक मजबूत संरचनात्मक नींव प्रदान करता है।राजनीतिक दलों के पास अब इस गति को आगे बढ़ाने– उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को नए सिरे से परिभाषित करने, चुनावीअभियानकेलिएवित्तीयसंसाधनोंतकपहुँचकाविस्तार करने तथा महिला नेताओं के लिए स्पष्ट और सशक्त मार्ग तैयार करने का जबरदस्त अवसर है। उचित सुधारों के साथ, राजनीतिक दल विधायी समावेशन को विजनसे जीवंत और जीती-जागती हकीकत में परिवर्तित कर सकते हैं।

सरकार संसद और राज्य विधानसभाओं में संस्थागत तत्परता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहली बार निर्वाचित होने वाले विधायकों को सशक्त नीतिगत अनुसंधान, समग्र विधायी प्रशिक्षण और मजबूत सहकर्मी नेटवर्क तक पहुँच प्रदान करके, सरकार उन आधारों में निवेश कर रही है जो बढ़ी हुई भागीदारी को अधिक प्रभावी और सटीक निर्णय-लेने में परिवर्तित करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व मेंहमारी सरकार महिलाओं के नेतृत्व में विकास के विजन पर लगातार कार्य करती रही है, और उसने नारी शक्ति को भारत की विकास गाथा के केंद्र में स्थापित किया है। इस अधिनियम का पारित होना विधायी स्तर पर इसविजन को दशार्ता है।

यदि इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाया जाए, तो इसकी संभावनाएँ असाधारण हैं। वास्तविक प्रभाव के साथ प्रतिनिधित्व असर को कई गुणा बढ़ा देता है। वास्तंविक ताकत के साथ उपस्थिति सुधार को तेज करती है। भारत दोनों को अपनाने के लिए तैयार है–और इससे होने वाले लाभ परिवर्तनकारी होंगे। जैसे-जैसे देश 2047 तक विकसित भारत बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है, इसकी विधायी संस्थाओं की शक्ति एक महत्वपूर्ण कारक होगी। महिलाओं के विधायी नेतृत्व को बढ़ाना केवल निष्पनक्षता का मामला नहीं है; यह स्वयं शासन को सुदृढ़ करने के बारे में है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने वास्तविक संभावनाओं का क्षण उत्पन्न किया है। अब इस क्षण को स्थायी परिवर्तन में बदलने का अवसर और शक्ति दोनों ही राजनीतिक संस्थाओं, दलों और नीति निमार्ताओं के पास मौजूद हैं।

प्रगति का असली पैमाना उन महिलाओं में दिखाई देगा, जो केवल सीटों पर बैठतींही नहीं, बल्कि उन्हें अधिकारपूर्वक संचालित भी करती हैं–जो साहसिक कानून तैयार करती हैं, परिवर्तनकारी एजेंडे तय करती हैं, और आने वाली पीढ़ियों के लिए शासन के स्वरूप को नया आकार देती हैं। इस बिल के लागू होने के साथ, भारत की विधायिकाओं की केवल संरचनाही नहीं बदलेंगी–बल्कि उनके उद्देश्य, शक्ति और वादे भी बदलेंगे।

डायलिसिस से लेकर कैंसर के इलाज तक, भगवंत मान सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना ने 2 लाख परिवारों को आर्थिक बबादी से बचाया: डॉ. बलबीर सिंह

लाइफलाइन डायलिसिस पर मौजूद 68,000 से अधिक गुर्दा रोगियों सहित कैंसर, हृदय रोग और लकवा के मामलों को पूरी तरह कवर किया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना पंजाब में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को नया स्वरूप दे रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि अब इलाज किसी परिवार की आर्थिक क्षमता तक सीमित न रहे, बल्कि हर व्यक्ति तक पहुंचे। नवजात शिशुओं की गंभीर देखभाल से लेकर जटिल सर्जरी और जीवनभर चलने वाले गंभीर रोगों के इलाज तक, यह योजना पूरे पंजाब में लाखों परिवारों को समय पर, कैशलेस चिकित्सा सहायता प्रदान कर रही है।

जब एम्स बठिंडा में 1.5 किलोग्राम से भी कम वजन वाले समय से पहले जन्मे एक शिशु को बचाने के लिए मैकेनिकल वेंटिलेशन की आवश्यकता पड़ी, तब उसके माता-पिता की केवल एक ही जिम्मेदारी थी– उसके साथ रहना। इस उपचार का 4.35 लाख रुपये का पूरा खर्च पंजाब सरकार ने उठाया। पूरे पंजाब में 2 लाख से अधिक परिवारों ने इसी तरह राहत महसूस की है, जहां बिना किसी कर्ज, गहने गिरवी रखने या आर्थिक सहायता के लिए भटकने के तुरंत इलाज शुरू हुआ।

इस योजना के तहत 900 से अधिक सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से 40,000 से अधिक सर्जिकल प्रक्रियाओं सहित 2 लाख से अधिक उपचारों के लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक की कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई हैं। इन आंकड़ों में हर एक संख्या उस परिवार का प्रतिनिधित्व करती है जिसे स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा में से किसी एक को चुनने की मजबूरी नहीं हुई।

सबसे अधिक लाभ मिलने वाले उपचारों में डायलिसिस, हृदय रोगों का इलाज, ऑर्थोपेडिक सर्जरी, कैंसर की देखभाल, मधुमेह से जुड़ी जटिलताएं और श्वसन रोगों का उपचार शामिल हैं, जो इस योजना के व्यापक दायरे को दर्शाते हैं।

एक मामले में नवदीप खान, जिसे गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति जिसमें प्रतिरक्षा तंत्र नसों पर हमला करता है और अचानक लकवा हो सकता है) का निदान हुआ, ने बठिंडा के एक अस्पताल में बिना कोई भुगतान किए 4.6 लाख रुपये का इलाज करवाया। यह उदाहरण दशार्ता है कि यह योजना केवल सामान्य प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि गंभीर और अचानक आने वाली चिकित्सा आपात स्थितियों को भी कवर करती है।

गुर्दे की पुरानी बीमारी एक निरंतर चुनौती है, जिसमें जीवनभर हर सप्ताह कई बार डायलिसिस की आवश्यकता होती है। इस योजना के तहत पूरे पंजाब में 68,000 से अधिक मरीजों को लगातार डायलिसिस सुविधा प्रदान की जा रही है, जिस पर 14 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सहायता किसी वरदान से कम नहीं है।

कैंसर के उपचार में भी इस योजना का व्यापक प्रभाव देखा गया है। कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सहित 14,000 से अधिक उपचार 35 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किए गए हैं, जिससे मरीजों को इलाज के हर चरण में निरंतर देखभाल मिल रही है।

इसी तरह, हृदय रोगों के उन्नत उपचार भी सुलभ बनाए गए हैं। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में ट्राइकसपिड वाल्व की मरम्मत के साथ जटिल डबल-स्विच कार्डियक ऑपरेशन जैसी उच्च तकनीकी सर्जरी 4.41 लाख रुपये में पूरी तरह कवर की गई। निजी क्षेत्र में इस तरह की प्रक्रियाओं की लागत आमतौर पर 5 से 8 लाख रुपये के बीच होती है। कुल मिलाकर, इस योजना के तहत एंजियोप्लास्टी और स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण सहित 5,700 से अधिक हृदय रोग उपचार कवर किए गए हैं, जिन पर 47 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुआ है।

इस संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, डायलिसिस, हृदय रोग और कैंसर ऐसी स्थितियां हैं जिनमें इंतजार की कोई गुंजाइश नहीं होती। पिछले महीनों में ही इस योजना के तहत 68,000 से अधिक डायलिसिस सत्रों को वित्तीय सहायता दी गई है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि 68,000 परिवारों की निश्चिंत नींद का प्रतीक है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इलाज मरीज की जरूरत के आधार पर हो, न कि परिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण प्रभाव गैर-सर्जिकल और फॉलो-अप उपचारों में वृद्धि के रूप में भी देखा जा रहा है। अब मरीज केवल आपातकालीन स्थिति में ही नहीं, बल्कि समय पर नियमित इलाज के लिए भी आगे आ रहे हैं। यह एक सकारात्मक व्यवहारिक बदलाव को दशार्ता है, जहां लोग आर्थिक बाधाओं के कारण इलाज में देरी करने के बजाय समय पर चिकित्सा सहायता ले रहे हैं।

भगवंत मान सरकार लोगों को नामित केंद्रों और जमीनी स्तर पर लगाए जा रहे कैंपों के माध्यम से स्वास्थ्य कार्ड के लिए पंजीकरण करवाने के लिए प्रेरित कर रही है, ताकि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत कैशलेस इलाज का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके।

चंडीगढ़ ग्रेनेड धमाका: दो मुख्य आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार; अब तक कुल 7 गिरफ्तारियां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले के मामले में कार्रवाई जारी रखते हुए पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन और हरियाणा पुलिस की सहायता से दो मुख्य आरोपियों–जिन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय के बाहर हैंड ग्रेनेड फेंका था–को हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरतेज सिंह और अमनप्रीत सिंह के रूप में हुई है, जो दोनों रूपनगर जिले के रतनगढ़ के निवासी हैं। आरोपी अमनप्रीत सिंह का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ एसएएस नगर और हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में चोरी और लूट के मामले दर्ज हैं।

यह कार्रवाई इस मामले में शामिल पांच अन्य आरोपियों–बलविंदर लाल उर्फ शमी, जसवीर सिंह उर्फ जस्सी, चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी, रूबल चौहान और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा–की गिरफ्तारी के एक दिन बाद की गई, जिनके पास से एक हैंड ग्रेनेड और एक .30 बोर जिगाना पिस्तौल बरामद की गई थी।

डीजीपी गौरव यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि इन ताजा गिरफ्तारियों के साथ इस मामले में शामिल सभी सात आरोपी अब पुलिस हिरासत में हैं। इस दौरान एडीजीपी काउंटर इंटेलिजेंस अमित प्रसाद, एडीजीपी आंतरिक सुरक्षा एस.के. वर्मा, आईजीपी इंटेलिजेंस डॉ. सुखचैन सिंह गिल और एआईजी एसएसओसी एसएएस नगर दीपक पारिक भी मौजूद थे।

डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को पुर्तगाल स्थित आईएसआई समर्थित विदेशी हैंडलर बलजोत सिंह उर्फ जोत और जर्मनी से हरजीत सिंह लाडी द्वारा 2 लाख रुपये के इनाम का लालच देकर इस हमले को अंजाम देने के लिए उकसाया गया था।

उन्होंने कहा कि विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर आरोपियों ने इस हमले की योजना बनाई और इसे अंजाम देने के लिए कई स्तरों (कटआउट्स और सब-मॉड्यूल) का इस्तेमाल किया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी गुरतेज सिंह ने खुलासा किया कि वह लगभग छह महीने पहले सोशल मीडिया के माध्यम से एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में आया था।

सीमा पार से नशा तस्करी मॉड्यूल से जुड़े दो व्यक्ति 4.13 किलो हेरोइन सहित अमृतसर से गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के अनुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो आरोपियों को 4.13 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से चल रहे नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

यह जानकारी आज यहां पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान कपूरथला, फगवाड़ा के पलाही गेट निवासी आतिश सुमन (22) और अमृतसर के गांव बोपाराय कलां निवासी स्विंदर सिंह उर्फ सुंदरी (28) के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किये गये आरोपी यूरोप-आधारित हैंडलरों और जेल में बंद गुर्गों के सीधे संपर्क में थे, जो सीमा पार से नशे की तस्करी और फिर माझा तथा दोआबा क्षेत्रों में इसकी सप्लाई में उक्त मुलजिमों की मदद करते थे। उन्होंने कहा कि दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए मामले में आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है।

कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने आरोपी आतिश सुमन को 220 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया था, जिसकी आगे की पूछताछ में 670 ग्राम और हेरोइन बरामद की गई, जिससे उसके पास से कुल 890 ग्राम हेरोइन बरामद हो गयी है।

गमाडा के खिलाफ चल रहे धरने में आज बड़ी संख्या में शामिल होंगे कांग्रेसी कार्यकर्ता: बलबीर सिद्धू

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

- कहा, कांग्रेस पार्टी हमेशा की तरह किसानों के साथ चट्टान बनकर खड़ी है

पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बलबीर सिंह सिद्धू ने आज यहां कहा कि मोहाली विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में और पूरे उत्साह के साथ किसानों द्वारा गमाडा के खिलाफ जारी धरने में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई दिनों से हलके के गांवों का दौरा कर लोगों को धरने में शामिल होने के लिए लामबंद कर रहे हैं। आज यहां जारी अपने एक प्रेस बयान में सिद्धू ने कहा कि लोग, खासकर किसान, मौजूदा सरकार की जन-विरोधी नीतियों से तंग आ चुके हैं और उनके मन में भगवंत मान सरकार के खिलाफ भारी रोष है। गमाडा की नीतियों की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्था लगातार किसानों का शोषण कर रही है। उन्होंने कहा, गमाडा किसानों की कीमती जमीनों को कौड़ियों के भाव अधिग्रहित कर लेता है, जबकि उनके हितों को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। अपनी ही जमीन के उचित मुआवजे और हक के लिए किसानों को सड़कों पर बैठने के लिए मजबूर करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेसी नेता ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार पहले भी लुधियाना और मोहाली जिलों में लगभग 15,000 एकड़ जमीन अधिग्रहण के मामले में जनता के विरोध का सामना कर चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार को जन-रोष के आगे झुकते हुए अपना नोटिफिकेशन वापस लेना पड़ा था। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में भी सरकार को किसानों की जायज मांगों के आगे झुकना ही पड़ेगा। सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा किसानों के साथ चट्टान की तरह खड़ी रही है और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने क्षेत्र के निवासियों और कार्यकताओं से अपील की कि कल के धरने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें, ताकि सोई हुई सरकार और गमाडा प्रशासन को जगाया जा सके।

गैंगस्टरों ते वार का 75वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 527 स्थानों पर छापेमारी; 241 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- पुलिस टीमों ने 108 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की, 84 को पूछताछ के बाद रिहा किया
- लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गुप्त रूप से सूचना दे सकते हैं
- युद्ध नशों विरुद्ध के 400वें दिन 120 नशा तस्कर 1.6 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम गैंगस्टरों ते वार के 75वें दिन पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित 527 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही एक व्यापक मुहिम है, जिसकी शुरूआत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी 2026 को की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय में सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 75वें दिन पुलिस टीमों ने 9 हथियार बरामद करते हुए 241 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मुहिम के तहत अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 19,115 तक पहुंच गई है। इसके अलावा 108 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 84 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। जनता से अपील की गई है कि वे एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों और वांछित अपराधियों के बारे में जानकारी साझा करें। इसी दौरान पुलिस ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध के 400वें दिन भी कार्रवाई जारी रखते हुए 120 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 1.6 किलोग्राम हेरोइन, 164 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 8,890 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही पिछले 400 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 57,169 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 27 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित किया।

भगवंत मान सरकार द्वारा पी.आर.टी.सी. के बेड़े में 100 मिडी और 309 साधारण बसें शामिल करने के लिए 125 करोड़ रुपये का निवेश: हरपाल सिंह चीमा

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान 6 को पी.आर.टी.सी. की 100 नई बसों को दिखाएंगे हरी झंडी, पंजाब के सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने की ओर बड़ा कदम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा पी.आर.टी.सी. के लिए 125 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट की रूपरेखा पेश, साथ ही किलोमीटर स्कीम के तहत 254 बसें चलाई जाएंगी
- पनबस के बेड़े को 606 और बसों से किया जाएगा बड़े पैमाने पर मजबूत, वोल्वो, एच.वी.ए.सी. और साधारण बसें शामिल होंगी: हरपाल सिंह चीमा

पंजाब के सार्वजनिक परिवहन बुनियादी ढांचे का कायाकल्प करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान 6 अप्रैल, 2026 को पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (पी.आर.टी.सी.) की 100 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जो आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की पूरे सूबे में आधुनिक, कुशल और सुलभ आवागमन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

इस पहल पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए, पंजाब के वित्त और परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भगवंत मान सरकार सार्वजनिक परिवहन बुनियादी ढांचे को पुनर्जीवित करने और पूरे पंजाब के लोगों के लिए एक भरोसेमंद और सुलभ परिवहन नेटवर्क सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा, इन बसों को हरी झंडी दिखाना इस दिशा में सरकार के निरंतर प्रयासों का स्पष्ट प्रमाण है।

पी.आर.टी.सी. के आधुनिकीकरण अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, पंजाब सरकार कुल 100 मिडी और 309 साधारण बसों की खरीद के लिए लगभग 125 करोड़ रुपये का पूंजीगत निवेश कर रही है, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से बेड़े में शामिल किया जाएगा। सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती मांग को तेजी से पूरा करने और कॉर्पोरेशन की परिचालन क्षमता को और बढ़ाने के लिए, पी.आर.टी.सी. किलोमीटर स्कीम के तहत 254 अतिरिक्त साधारण बसें भी चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक कदम मुख्य मार्गों पर कुशल सेवा प्रदान करने को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है।

परिवहन के विकास के बारे में व्यापक रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए, वित्त मंत्री ने पनबस के लिए एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना भी साझा की। उन्होंने कहा, सरकार द्वारा पनबस के बेड़े में कुल 606 बसें शामिल करने की योजना है। इस व्यापक योजना में 387 नई बसें शामिल हैं, जिन्हें सीधे तौर पर बेड़े में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, किलोमीटर स्कीम के तहत, पनबस 19 वोल्वो बसें, 100 एच.वी.ए.सी. बसें और 100 साधारण बसें शामिल करेगी।

परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आगे कहा, पी.आर.टी.सी. और पनबस के बेड़े में एक हजार से अधिक नई और किलोमीटर स्कीम वाली बसों को शामिल करके, राज्य सरकार पंजाब के आवागमन प्रबंधन को भविष्य की जरूरतों के अनुसार सक्रिय रूप से तैयार कर रही है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह विस्तार भगवंत मान सरकार की सार्वजनिक बेड़े के आधुनिकीकरण और सार्वजनिक परिवहन को यात्रा के भरोसेमंद साधन के रूप में मजबूत करने के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, इस पहल का उद्देश्य न केवल बेहतर संपर्क के माध्यम से आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाना है, बल्कि पूरे पंजाब में यात्रियों के आराम और सड़क सुरक्षा को भी प्राथमिकता देना है।

संक्षिप्त-समाचार

मोहाली प्रेस क्लब चुनाव में शाही-पटवारी ग्रुप जीता

एस.ए.एस. नगर। आज मोहाली प्रेस क्लब की गवर्निंग बॉडी के साल 2026-27 के चुनाव में शाही-पटवारी ग्रुप को विजेता घोषित किया गया। चीफ इलेक्शन कमिश्नर हरिंदर पाल सिंह हैरी और इलेक्शन कमिश्नर कुलविंदर सिंह बावा और गुरमीत सिंह रंधावा की अध्यक्षता में हुए इस चुनाव में चीफ इलेक्शन कमिश्नर ने शाम करीब 4.30 बजे चुनाव के नतीजे घोषित किए, जिसमें शाही-पटवारी ग्रुप को विजेता घोषित किया गया। इस दौरान चीफ इलेक्शन कमिश्नर और इलेक्शन कमिश्नरों ने शाही-पटवारी पैनल के 9 पदाधिकारियों - गुरमीत सिंह शाही प्रेसिडेंट, जनरल सेक्रेटरी सुखदेव सिंह पटवारी, सी. वाइस प्रेसिडेंट मनजीत सिंह चाना, वाइस प्रेसिडेंट विजय पाल और मैडम नीलम ठाकुर, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी विजय कुमार, जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. रविंदर कौर और संदीप बिंद्रा और कैशियर राजीव तनेजा को विजेता घोषित किया गया। इस मौके पर जनरल सेक्रेटरी सुखदेव सिंह पटवारी ने इलेक्शन कमीशन का खास तौर पर आभार जताते हुए कहा कि कमीशन ने सौंपी गई जिम्मेदारी को बहुत ही शांतिपूर्ण माहौल और लगन से निभाया। उन्होंने आगे कहा कि मोहाली प्रेस क्लब के सामने सबसे बड़ा काम सरकार से प्रेस क्लब के लिए जगह दिलाना है, जिसके लिए मोहाली प्रेस क्लब और पूरी पत्रकार कम्युनिटी के साथ मिलकर हर मुमकिन कोशिश की जाएगी। इस दौरान क्लब के अलग-अलग मेंबर्स ने नई चुनी गई टीम को बधाई दी और फूल मालाओं से उनका स्वागत किया और खुशी में लड्डू बांटे। आखिर में, इलेक्शन कमीशन ने क्लब के इलेक्शन में सहयोग के लिए सभी मेंबर्स को धन्यवाद दिया।

हरियाणवी सुपरस्टार मासूम शर्मा की फिल्म लाइसेंस का गाना गच लागे रिलीज

चडीगढ़। हरियाणवी सिनेमा के दर्शकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। सुपरस्टार मासूम शर्मा की बहुप्रतीक्षित फिल्म लाइसेंस का पहला गाना गच लागे रिलीज हो गया है। फिल्म के टीजर और ट्रेलर को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब इस गाने ने भी दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इस म्यूजिक वीडियो में सपना चौधरी, केडी देसीरॉक और राखी लोहचब नजर आ रहे हैं। इन सभी कलाकारों की दमदार मौजूदगी ने गाने को और भी खास बना दिया है। सपना चौधरी का शानदार डांस, केडी देसीरॉक का सिग्नेचर स्टाइल और मासूम शर्मा की सशक्त आवाज इस ट्रैक की सबसे बड़ी खासियत बनकर उभरी है। गच लागे पारंपरिक हरियाणवी बीट्स और आधुनिक संगीत का बेहतरीन मिश्रण है, जिसे जीवंत विजुअल्स और आकर्षक कोरियोग्राफी के साथ पेश किया गया है। मासूम शर्मा ने कहा कि, गच लागे मेरे दिल में एक खास जगह रखता है। इसे कंपोज करने से लेकर रिकॉर्ड करने तक का सफर बेहद यादगार रहा। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस गाने को खूब पसंद करेंगे। वहीं सपना चौधरी ने कहा कि, इस गाने में एक खास ऊर्जा है, जो लोगों को तुरंत जोड़ लेती है। शूटिंग के दौरान पूरी टीम ने इसे पूरे जुनून के साथ तैयार किया और मुझे उम्मीद है कि फैंस इस पर खूब डांस करेंगे। गीतकार अजमेर बलंबिया ने कहा कि, हमने गाने के बोलों में हरियाणवी संस्कृति और आधुनिकता का संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है, ताकि यह हर वर्ग के दर्शकों से जुड़ सके। रंजीत चौहान के निर्देशन में बनी यह फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ईस्टर के शुभ अवसर पर क्राइस्ट दा किंग चर्च मे प्रार्थना सभा का अयोजन

चंडीगढ़। ईस्टर के शुभ अवसर पर क्राइस्ट दा किंग चर्च मे प्रार्थना सभा का अयोजन किया गया। सुबह 5 बजे सनराइज सर्विस में कैंडल प्रोसेशन निकाला गया। ईस्टर प्रभु यीशु मसीह के अपनी जान देने के बाद तीसरे दिन मुरदों मे जी उठने से सबंधित है। प्रभु यीशु मसीह ने मानवता के पापों के लिए अपना बलिदान दिया। ताकि कोई भी नाश ना हो बल्कि बहुतायत का जीवन पाऐ। यह दिन हमें मौत के भय से मुक्त करते हैं कयोंकि प्रभु यीशु मसीह मौत के ऊपर विजय हासिल कर तीसरे दिन मुरदों मे जी उठे थे। इस शुभ अवसर पर आदरणीय लौरंस मलिक ने बताया कि ईस्टर मसीही समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण उतसव है। यह दिन हमें स्मरण दिलाता है कि हम प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाओं पर चलते हुए हर एक छोटे-बडे का आदर करें। एक दुसरे के साथ प्रेम रखें, देश मे शांति सथापित करने के लिए मिलजुल कर प्रयास करें और औरों के लिए प्रार्थना करें। इस अवसर पर पास्टर जेकब भट्टी ने लोगों को यीशु के बताए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राजेश राजन, विजय, ऐल्फ्रेड मल्ल, प्रमोद, दीपक, जॉन नसरानी सैमुअल गिल और सुरेश चंद डोलचे इत्यादि हाज़िर रहे।

यूक्रेन पर रूस के रात भर चले ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत, 30 घायल

रूस-यूक्रेन युद्धः निकोपोल और सुमी में भारी तबाही, रिहायशी इलाकों को बनाया निशाना

एजेंसी (हि.स.)

कीव

यूक्रेन पर रूसी हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। रात भर चले ड्रोन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की तुर्की यात्रा के दौरान हुए इन हमलों में कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिनमें निकोपोल और सूमी शामिल हैं। हमलों से रिहायशी इलाकों, बाजारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी के अनुसार यूक्रेनी वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 286 ड्रोन दागे, जिनमें से 260 को मार गिराया गया। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख

यूक्रेनी वायु सेना का पलटवार: 286 में से 260 ड्रोन मार गिराए

ओलेक्जेंडर हंझा ने बताया कि निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के निकोपोल शहर में तीन महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। इसके अलावा 19 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें एक 14 साल की लड़की भी है। इस हमले में बाजार के स्टॉल और एक दुकान को नुकसान पहुंचा। ये हमले तब हुए जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बातचीत के लिए इस्तांबुल गए हुए थे। वह पूर्वी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों के आध्यात्मिक गुरु एक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रीय पुलिस ने बताया कि रूस की सीमा से सटे सुमी शहर में हुए एक

फोटोः हि.स.

हमले में 11 लोग घायल हो गए, जिनमें एक 15 साल का किशोर भी शामिल है। इस हमले में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया, और घरों, कारों तथा उपयोगिता नेटवर्क को नुकसान पहुंचा। राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि राजधानी कीव में हुए एक ड्रोन हमले के कारण तीन मंजिला दफ्तर और गोदाम वाली एक इमारत की पहली मंजिल पर आग लग गई। इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को दावा किया कि उसकी सेनाओं ने यूक्रेन के सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कुछ सैन्य-औद्योगिक और ऊर्जा सुविधाओं पर रलंबी दूरी के हवाई और जमीनी सटीक हथियारों, साथ ही हमलावर ड्रोनों से हमला किया। एक अलग बयान में मंत्रालय ने कहा कि रूसी सेना ने रात भर में नौ रूसी क्षेत्रों, रूस में मिलाए गए क्रीमिया क्षेत्र और काला सागर के ऊपर 85 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। क्षेत्रीय गवर्नर यूरी स्ल्यूसर के अनुसार यूक्रेन की सीमा पर स्थित रूस के रोस्तोव क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। स्ल्यूसर ने बताया कि इस हमले से एक अज्ञात लॉजिस्टिक्स कंपनी के गोदाम में आग लग गई और तट से कई किलोमीटर दूर किसी विदेशी देश का झंडा लगे एक ड्राई-कार्गो जहाज पर भी आग लग गई।

गवर्नर व्याचेस्लाव फेडोरिशचेव ने बताया कि समारा क्षेत्र के शहर तोल्याती में एक व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने कहा कि एक रिहायशी इमारत की छत को नुकसान पहुंचा और कई अपार्टमेंट की खिड़कियां टूट गईं।

नेपाल पुलिस का ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप', 24 घंटे में 200 से अधिक हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

गृह मंत्रालय के निर्देश पर नेपाल पुलिस ने आक्रामक 'सर्च ऑपरेशन' शुरू किया है। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर 200 से अधिक हिस्ट्रीशीटर अपराधियों को हवालात के अंदर पहुंचाया गया है। पुलिस नायब महानिरीक्षक अविनारायण काफ्ले के अनुसार गिरफ्तार होने वालों में आम नागरिकों को परेशान करने वाले बिचौलियों से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर अभद्र व्यवहार करने और गुंडागर्दी में संलिप्त लोग शामिल हैं।

अभियान के पहले दिन 3 अप्रैल को काठमांडू से 51 और कोशी प्रदेश से 18 लोगों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस की सक्रियता तेज हो गई। इसके अगले दिन, 4 अप्रैल को कोशी, मधेस, बागमती, गण्डकी और कर्णाली प्रदेश से 44 और लोगों को पकड़ा गया। पुलिस ने अपने अभियान को जारी रखते हुए आज यानि 5 अप्रैल को मधेस, गण्डकी, लुम्बिनी और सुदूरपश्चिम प्रदेश से 24 लोगों को हिरासत में लिया, जबकि काठमांडू से 62 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस अभियान में विशेष रूप से बिचौलियों और 'मोहल्ला डॉन' को निशाना बनाया गया है। खासकर सरकारी दफ्तर और सार्वजनिक सेवा केंद्रों में सेवाग्राहियों को परेशान करने वाले बिचौलिये पुलिस की प्राथमिकता में हैं। प्रवक्ता काफ्ले ने कहा कि सार्वजनिक सेवाएं लेने जाने वाले नागरिकों को परेशान करने और समाज में अराजकता फैलाने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। यह अभियान अभी सिर्फ शुरूआत है और इसे और सशक्त तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। लंबे समय से सरकारी कार्यालयों में होने वाली 'सेटिंग' और मोहल्लों में पनपे गुंडों के प्रभाव से आम नागरिकों में भय का माहौल बनने की शिकायतों के बाद गृह प्रशासन के निर्देश पर पुलिस ने यह कार्रवाई शुरू की है। पुलिस सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा और सुशासन बनाए रखने के लिए सिविल ड्रेस में भी टीम तैनात कर निगरानी बढ़ा रही है।

नेपाल सरकार ने ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने वाली 7 हजार वेबसाइट बंद कीं

काठमांडू। नेपाल में अवैध रूप से बढ़ रहे ऑनलाइन सट्टेबाजी (बेटिंग) के खिलाफ सरकार ने बड़ा डिजिटल अभियान शुरू किया है। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) के साथ तकनीकी समन्वय करते हुए अब तक 7 हजार से अधिक सट्टेबाजी से जुड़े ऐप्लिकेशन और वेबसाइट (यूआरएल) को पूरी तरह बंद कर दिया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में स्वीकृत 100 बिंदुओं वाले 'शासकीय सुधार'कार्यसूची के बिंदु संख्या 42 को लागू करने के क्रम में प्राधिकरण ने यह कड़ा कदम उठाया है। इस निर्णय में सट्टेबाजी से संबंधित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म को 24 घंटे के भीतर पहचान कर बंद करने का प्रावधान था। उसी निर्देश के अनुसार प्राधिकरण ने अपने तकनीकी तंत्र को सक्रिय कर संदिग्ध यूआरएल और ऐप्स की पहचान और ब्लॉकिंग प्रक्रिया को तेज किया है। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के उपनिदेशक सूर्यप्रसाद लामिछाने के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में ही ईमेल, टेलीफोन और मैसेज के माध्यम से ऑनलाइन सट्टेबाजी से संबंधित 50 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

मालदीव की मुइज्जू सरकार की संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर चुनावों में हार

एजेंसी (हि.स.)

माले

फोटोः हि.स.

मालदीव में हुए अहम चुनावी मुकाबले में सत्ताधारी दल को बड़ा झटका लगा है। संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर चुनावों में विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई है, जिससे सरकार की स्थिति कमजोर होती दिख रही है। इन नतीजों को मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के लिए एक बड़ी राजनीतिक परीक्षा माना जा रहा था। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार बड़ी संख्या में मतदाताओं ने प्रस्तावित संवैधानिक बदलावों को खारिज किया, जबकि मेयर चुनावों में भी विपक्ष ने कई प्रमुख सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी पकड़ मजबूत की है। तुर्किए की सरकारी समाचार संस्था अनाडोलू एजेंसी (एए) ने मीडिया रिपोर्टों के हवाले से बताया कि मालदीव के सत्ताधारी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि वह एक अहम संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर पद की दौड़ में हार गई है। इस चुनाव को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के लिए एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती नतीजों से पता चला है कि गिने गए वोटों में से 70% लोगों ने उस जनमत संग्रह का विरोध किया है, जिसे देश के राजनीतिक ढांचे के लिए काफी अहम माना जाता है। मेयर पद की दौड़ में, विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने सभी पांचों शहरों में मेयर की सीटें जीत ली हैं। वहीं, सत्ताधारी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने 498 काउंसिल सीटों में से 220 सीटें जीती हैं, जबकि एमडीपी ने 207 सीटें हासिल की हैं।

अमेरिका ने ईरान से अपने लापता पायलट को सुरक्षित निकाला

ट्रंप ने कहा-हमने ढूंढ निकाला

एजेंसी (हि.स.)

वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी एफ-15 ई जेट के लापता पायलट को अमेरिका ने जटिल बचाव अभियान को अंजाम देते हुए ईरान की जमीन से सुरक्षित निकाल लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि करते हुए इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे साहसी बचाव अभियान बताया।

अमेरिकी एफ-15 ईगल जेट के लापता पायलट को सुरक्षित बचा लिया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा 'हमने उन्हें' सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी बचाव अभियानों में से एक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।' ट्रंप ने लिखा कि अमेरिकी सेना ने उन्हें बचाने के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे। अधिकारी घायल हैं लेकिन पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

यह साबित करता है कि हमने ईरानी आसमान पर पूर्ण वायु श्रेष्ठता और प्रभुत्व हासिल कर लिया है। गौरतलब है कि अमेरिकी एयरफोर्स के एफ-15 ईगल जेट शुक्रवार को ईरान के दक्षिणी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें दो क्रू मेंबर थे- एक पायलट और दूसरा वेपन सिस्टम्स ऑफिसर। दोनों ने समय रहते इजेक्ट कर एक-दूसरे से संपर्क बनाए रखा। पायलट को कुछ घंटों में बचा लिया गया लेकिन दूसरे क्रू मेंबर को ढूंढ़ना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन अमेरिका ने इस जटिल अभियान को अंजाम दिया।

ट्रंप के दावों पर ईरान ने कहा, लापता अमेरिकी पायलट को रेस्क्यू करने आए कई विमान नष्ट कर दिए गए

तेहरान। ईरान की धरती से अमेरिकी पायलट को सुरक्षित निकाले जाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर ईरान ने कहा है कि पायलट बचाव अभियान के दौरान कई अमेरिकी विमानों को नष्ट कर दिया गया। ईरान इंटरनेशनल ने ईरानी सैन्य एवं सुरक्षा एजेंसियों का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिणी इस्फहान प्रांत में फंसे अपने एक पायलट को बचाने के लिए किए गए अमेरिकी अभियान के दौरान दुश्मन के कई विमान नष्ट कर दिए गए। ईरान की समाचार एजेंसी तसनीम के अनुसार खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि जिन विमानों को निशाना बनाया गया, उनमें एक अमेरिकी सी-130 सैन्य परिवहन विमान और दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर शामिल थे। तसनीम ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के हवाले से यह भी कहा कि गार्ड्स, जमीनी बलों, पुलिस और अन्य इकाइयों के संयुक्त अभियान में दुश्मन के विमान नष्ट कर दिए गए। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने आज सुबह सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर बताया था कि एफ-15 ई जेट के लापता पायलट को अमेरिका ने जटिल बचाव अभियान को अंजाम देते हुए ईरान की जमीन से सुरक्षित निकाल लिया। ट्रंप ने इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे साहसी बचाव अभियान बताया। उन्होंने कहा पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी बचाव अभियानों में से एक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं। ट्रंप ने लिखा कि अमेरिकी सेना ने उन्हें बचाने के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे। अधिकारी घायल हैं, लेकिन पूरी तरह ठीक हो जाएंगे। यह साबित करता है कि हमने ईरानी आसमान पर पूर्ण वायु श्रेष्ठता और प्रभुत्व हासिल कर लिया है।

नेपाल सरकार ने पुरानी डीजल-पेट्रोल गाड़ियों को इलेक्ट्रिक में बदलने की दी अनुमति

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

फोटोः हि.स.

पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़ते आयात और पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए नेपाल सरकार ने पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक (विद्युतीय) वाहनों में बदलने की अनुमति देने का नीतिगत निर्णय लिया है। नेपाल सरकार के प्रवक्ता एवं शिक्षामंत्री सस्मित पोखरेल ने बताया कि मंत्रिपरिषद की रविवार को हुई बैठक में इसके लिए आवश्यक कानूनी अड़चनों को दूर करने और उचित व्यवस्था बनाने के लिए संबंधित निकायों को निर्देश देने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और ईंधन खपत कम करने के उद्देश्य से लिया गया है।

वर्तमान में पुराने ईंधन चालित वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने के दौरान पंजीकरण, नवीकरण और तकनीकी मानकों से जुड़ी स्पष्ट कानूनी व्यवस्था नहीं होने के कारण वाहन मालिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। प्रवक्ता पोखरेल ने कहा कि डीजल और पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के लिए आवश्यक कानूनी व्यवस्था की जाएगी। इससे एक ओर ईंधन पर निर्भरता कम होगी, तो दूसरी ओर नेपाल की नवीकरणीय ऊर्जा (बिजली) के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

नेपाल में अब हफ्ते में दो दिन सार्वजनिक अवकाश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने रविवार को दो महत्वपूर्ण लिए हैं, जिसके तहत अब सरकारी कार्यालयों के लिए शनिवार और रविवार को दो दिन साप्ताहिक अवकाश घोषित किया है। नए फैसले में सरकारी दफ्तरों के खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि सरकारी कार्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में अब शनिवार और रविवार को छुट्टी रहेगी। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम आपूर्ति में उत्पन्न असहज स्थिति के कारण यह निर्णय लिया गया है। प्रवक्ता पोखरेल के अनुसार यह व्यवस्था कल सोमवार से लागू होगी। सरकार ने सरकारी कार्यालयों का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित करने का भी निर्णय लिया है। मंत्रिपरिषद की बैठक ने शैक्षिक संस्थानों को छोड़कर अन्य सरकारी कार्यालयों का समय 9 से 5 बजे तक बनाए रखने का निर्णय किया है।यह समय-सीमा शैक्षिक संस्थानों को छोड़कर अन्य सरकारी कार्यालयों पर लागू होगी।

नेपाल के प्रसिद्ध धार्मिक क्षेत्र मुक्तिनाथ मंदिर और आसपास में भारी बर्फबारी

काठमांडू। मुस्तांग जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मुक्तिनाथ क्षेत्र में भारी बर्फबारी हुई है, जिससे पूरा इलाका बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है। मुक्तिनाथ मंदिर, बाजार से लेकर बस अड्डे क्षेत्र में इस समय चारों ओर सिर्फ बर्फ ही बर्फ दिखाई दे रही है। बारागुंग मुक्तिक्षेत्र स्थित रानीपौवा बसपार्क भी बर्फबारी के कारण पूरी तरह से सफेद हो गया है। इसी तरह मुक्तिनाथ क्षेत्र के प्रमुख स्थान रानीपौवा बाजार, झारकोट और आसपास के इलाके भी बर्फ से ढक गए हैं, जिससे क्षेत्र का दृश्य बेहद आकर्षक और मनमोहक बन गया है। बीती रात मुस्तांग के साथ-साथ मनांग जिले के कई हिस्सों में भी बर्फबारी हुई। इस अचानक हुए बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट आई है और ठंड काफी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठंड का असर जनजीवन पर भी पड़ने लगा है। मुक्तिनाथ क्षेत्र नेपाल का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल होने के कारण यहां हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। ऐसे में भारी हिमपात जहां एक ओर प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाता है, वहीं दूसरी ओर यातायात और दैनिक गतिविधियों में कुछ कठिनाइयाँ भी पैदा कर सकता है। सड़कों पर बर्फ जमने से आवागमन प्रभावित होने की संभावना रहती है।

'आचार संहिता लागू होने के बाद से पांच राज्यों में 651.51 करोड़ रुपये की नकदी जब्त'

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनाव के मद्देनजर लागू आदर्श आचार संहिता के तहत कार्रवाई करते हुए अब तक 651.51 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी और अवैध सामग्री जब्त की है। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

चुनाव आयोग के अनुसार, चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चुनावी तैयारियों के बीच आचार संहिता के प्रभावी पालन के लिए व्यापक निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड और 5,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जांच, तलाशी और नाकाबंदी अभियान चला रही हैं, ताकि अवैध गतिविधियों पर तुरंत अंकुश लगाया जा सके। आयोग की ओर से बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) के माध्यम से 26 फरवरी से अब तक बड़ी मात्रा में अवैध वस्तुओं की जब्ती दर्ज की गई है। इसमें 53.2 करोड़ रुपये नकद, 79.3 करोड़ रुपये की शराब, 230 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 58 करोड़ रुपये की कीमती धातु और 231.01 करोड़ रुपये के अन्य मुफ्त उपहार शामिल हैं। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक जब्ती पश्चिम बंगाल में 319 करोड़ रुपये की हुई है। इसके बाद तमिलनाडु में 170 करोड़ रुपये, असम में 97 करोड़ रुपये, केरल में 58 करोड़ रुपये और पुडुचेरी में 7 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गई है। आयोग ने यह भी बताया कि आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए जिला स्तर पर शिकायत निवारण समितियां गठित की गई हैं।

पवन खेड़ा के विरूद्ध 48 घंटें में दर्ज होंगे फौजदारी एवं दीवानी मामले : मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)

गुवाहाटी

असम में जारी विधानसभा चुनावों के बीच रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। इन आरोपों पर मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री की पत्नी रिनकी भुइयां शर्मा पर कई पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया गया है, जिसे एआई के जरिए बनाए जाने की बातें कही गयी हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए जारी अपने संदेश में कहा है कि पवन खेड़ा की रविवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस पार्टी के भीतर गहरे असंतोष और घबराहट को दर्शाती है। जैसे-जैसे असम एक ऐतिहासिक जनादेश की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है, इस तरह के हताश और बेबुनियाद हमले केवल उनके कमजोर होते जनाधार को ही उजागर करते हैं। मैं उनके द्वारा लगाए गए हर आरोप को पूरी तरह से खारिज करता हूं। ये दुर्भावनापूर्ण, मनगढ़ंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठ हैं, जिनका मकसद असम की जनता को गुमराह करना है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मेरी पत्नी और मैं अगले 48 घंटों के भीतर पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करेंगे। उनके इन गैर-जिम्मेदाराना और मानहानिकारक बयानों के लिए उन्हें पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। एक बार जब अदालत में सच्चाई साबित हो जाएगी, तो पवन खेड़ा को अपने कृत्यों का परिणाम भुगतना पड़ेगा, और कानून अपना काम करेगा। असम की जनता ऐसे दुष्प्रचार से गुमराह नहीं होगी।

रिकॉर्ड 915.17 मिलियन टन कार्गो हैंडलिंग के साथ निर्धारित लक्ष्य को किया पार

देश के बंदरगाहों ने रचा इतिहास

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

देश के बंदरगाहों ने वित्त वर्ष 2025-26 में 915.17 मिलियन टन कार्गो का आदान-प्रदान कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पिछले वर्ष के 854.86 मिलियन टन के मुकाबले 7.06 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित 904 मिलियन टन के लक्ष्य को भी पार कर लिया गया है।

यह उपलब्धि बंदरगाहों की बढ़ती क्षमता, परिचालन दक्षता, बेहतर लॉजिस्टिक्स और आधुनिक बुनियादी ढांचे का परिणाम मानी जा रही है। इससे भारत के समुद्री क्षेत्र की मजबूती और वैश्विक व्यापार में उसकी बढ़ती भूमिका स्पष्ट होती है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, यह वृद्धि सरकार की पोर्ट-आधारित विकास नीति, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और डिजिटल पहलों के कारण संभव हुई है। मंत्रालय ने बताया कि कार्गो हैंडलिंग क्षमता में सुधार और आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से बंदरगाहों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस उपलब्धि को सरकार के निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दीनदयाल उपाध्याय बंदरगाह 160.11 मिलियन टन कार्गो के साथ शीर्ष स्थान पर रहा। इसके बाद पारादीप बंदरगाह (156.45 मिलियन टन) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (102.01 मिलियन टन) का स्थान रहा। अन्य प्रमुख बंदरगाहों में

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF PORTS, SHIPPING AND WATERWAYS

India's Major Ports Register Impressive Traffic Surge

Traffic Handled at Major Ports
(During 2025-26* VIS-A-VIS 2024-25)

(*) TENTATIVE (IN ' 000 TONNES)

PORTS	APRIL TO MARCH TRAFFIC 2026*	APRIL TO MARCH TRAFFIC 2025	% VARIATION AGAINST PREV. YEAR TRAFFIC
1	2	3	[illegible]
KOLKATA			
Kolkata Dock System	19017	16641	[illegible]
Haldia Dock Complex	51855	47310	9.61
TOTAL: KOLKATA	70872	63951	10.82
PARADIP	156451	150408	4.02
VISAKHAPATNAM	91166	82623	10.34
KAMARAJAR (ENNORE)	49081	48407	1.39
CHENNAI	57902	54961	5.35
V.O. CHIDAMBARANAR	43310	41724	3.80
COCHIN	38063	37745	0.84
NEW MANGALORE	50049	46014	8.77
MORMUGAO	21009	18126	15.91
MUMBAI	75147	68625	9.50
JNPA	102008	92115	10.74
DEENDAYAL	160110	150157	6.63
TOTAL	915168	854856	7.06

ShipminIndia | Shipmin_India | Sagarmala Project | Sagarmala.gov.in / shipmin.gov.in

फोटोः हि.स.

विशाखापट्टनम बंदरगाह (91.16 मिलियन टन), मुंबई बंदरगाह (75.14 मिलियन टन), चेन्नई बंदरगाह (57.90 मिलियन टन) और न्यू मंगलौर बंदरगाह (50.04 मिलियन टन) शामिल हैं। कोलकाता बंदरगाह का कुल कार्गो 70.87 मिलियन टन रहा, जिसमें कोलकाता डॉक सिस्टम (19.01 मिलियन टन) और हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (51.85 मिलियन टन) शामिल हैं। इसके अलावा कामराजार बंदरगाह (49.08 मिलियन टन), वीओ चिदंबरनार बंदरगाह (43.31 मिलियन टन) और कोचीन बंदरगाह (38.06 मिलियन टन) का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। वृद्धि दर के लिहाज से मोरमुगाओ बंदरगाह ने 15.91 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा कोलकाता डॉक सिस्टम (14.28 प्रतिशत), जेएनपीए (10.74 प्रतिशत), विशाखापट्टनम (10.34 प्रतिशत) और मुंबई बंदरगाह (9.50 प्रतिशत) में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। मंत्रालय के अनुसार, यह वृद्धि कोयला, कच्चा तेल, कंटेनर, उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती मांग, बेहतर कनेक्टिविटी और डिजिटल सुधारों के कारण संभव हो पाई है।

संक्षिप्त-समाचार

असम में भाजपा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या, चुनावी हिंसा का आरोप

चराईदेव (असम)। असम में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही हिंसा की घटनाएं बढ़ती नजर आ रही हैं। इसी कड़ी में चराईदेव जिले से एक भयावह घटना सामने आई है, जहां एक भाजपा कार्यकर्ता की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मृतक की पहचान खूदकन बोरा के रूप में हुई है, जो चुनाव प्रचार में जुटे थे। आरोप है कि जय भारत पार्टी के समर्थकों ने उन पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, जय भारत पार्टी के समर्थक तिलेश्वर मुर्मू पर इस हत्या को अंजाम देने का आरोप लगा है। घटना के बाद सोनारी विधानसभा क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोनारी के विधायक धर्मेश्वर कोंवर ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक कार्यकर्ता को रास्ते में रोककर पीट-पीटकर हत्या अस्वीकार्य है। क्षेत्र के लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। चुनाव के मद्देनजर कड़ी पुलिस निगरानी के बावजूद इस तरह की घटना से लोगों में आक्रोश है। पुलिस ने मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है, वहीं स्थानीय लोगों ने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

ईरान से 345 भारतीय मछुआरे सुरक्षित स्वदेश लौटे, आर्मेनिया के रास्ते चेन्नई पहुंचे

चेन्नई। ईरान में फंसे 345 भारतीय मछुआरों को सुरक्षित निकालकर चेन्नई पहुंचाया गया है। यह निकासी आर्मेनिया के रास्ते की गई, जहां से उन्हें भारत लाया गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस अभियान में सहयोग के लिए आर्मेनिया सरकार और अपने समकक्ष अरात मिर्जोयान का आभार जताया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 1200 से अधिक भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की है। यह अभियान आर्मेनिया और अजरबेजान के रास्ते चलाया जा रहा है, जिसमें भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं। इस बीच, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात से भारत के लिए सीमित उड़ानें जारी हैं। बड़ी संख्या में लोग इन उड़ानों के जरिए स्वदेश लौट रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरवरी के अंत से अब तक इस क्षेत्र से 6.24 लाख से अधिक यात्री भारत वापस आ चुके हैं। हालांकि, क्षेत्र में हालात अब भी संवेदनशील बने हुए हैं, जिसे देखते हुए सरकार लगातार अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है।

अब सीएनजी पर पड़ा पश्चिम एशिया जंग का असर, टॉरेंट गैस ने कीमत में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट का असर अब धीरे-धीरे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में हो रही बढ़ोतरी के रूप में नजर आने लगा है। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल, इंडस्ट्रियल डीजल और जेट फ्यूल के भाव में बढ़ोतरी करने के बाद अब सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। उत्तर प्रदेश में कंपनी ने सीएनजी की कीमत 93.50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ा कर 96.25 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी है। इसी तरह जयपुर में टॉरेंट गैस ने सीएनजी की कीमत में प्रति किलोग्राम 2.50 रुपये तक का इजाफा कर दिया है। राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में टॉरेंट गैस के फ्यूल स्टेशनों पर सीएनजी का भाव 95.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। इसी तरह कंपनी ने पंजाब में सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी कर इसे 94.25 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचा दिया है। सीएनजी की कीमत में की गई बढोतरी के बाद तेलंगाना में कंपनी के फ्यूल स्टेशनों पर सीएनजी की कीमत 99 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इसी तरह गुजरात में टॉरेंट गैस के फ्यूल स्टेशनों पर सीएनजी 85.17 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर मिल रही है। इसके अलावा कंपनी के फ्यूल स्टेशनों से महाराष्ट्र में 94.50 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर और तमिलनाडु में 94 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर सीएनजी गैस ली जा सकती है। सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी करने के पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भी बढ़ोतरी कर चुकी है। इस महीने एक तारीख को कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव में 218 रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी गई थी। कॉमर्शियल एलपीजी का इस्तेमाल होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और अन्य व्यावसायिक संस्थानों में होता है। इस सिलेंडर के दाम पिछले चार महीने में पांचवीं बार बढ़े हैं। जहां तक घर की रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की बात है, तो इसकी कीमत में आखिरी बार 7 मार्च 2026 को 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। हाल ही में नायरा एनर्जी और शेल इंडिया ने भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी की थी।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट, चांदी के भाव में मामूली उछाल

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना के भाव में सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज मामूली तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,930 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,38,350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना की कीमत में मजबूती दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 2,860 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 2,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी के भाव में पूरे सप्ताह लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इस उतार चढ़ाव के बीच चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम की उछाल हासिल करने में सफल रहा। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,080 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

आईपीएलः लखनऊ ने दर्ज की पहली जीत, हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

पंत का 'पावर गेम': नाबाद अर्धशतक से लखनऊ को दिलाई जीत

एजेंसी (हि.स.)

हैदराबाद

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 10वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 156 रन ही बना सकी। जवाब में लखनऊ ने इस लक्ष्य को 19.5 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

जहां हैदराबाद के लिए यह तीन मैचों में दूसरी हार है, वहीं लखनऊ ने पिछले हार के सिलसिलों को तोड़ते हुए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। हैदराबाद की पारी की शुरूआत बेहद निराशाजनक रही। लखनऊ के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने नई गेंद के साथ अपना जलवा दिखाया और शुरूआती ओवरों में ही सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। हैदराबाद का शीर्ष क्रम लखनऊ की सधी हुई गेंदबाजी के सामने ताश के पत्तों की तरह ढह गया। एक समय ऐसा लग रहा था कि मेजबान टीम 100 रन के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाएगी। लेकिन इसके बाद क्रीज पर आए हेनरिच क्लासेन और युवा सनसनी नीतीश रेड्डी ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 116 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, जिसने हैदराबाद को संकट से उबारा। क्लासेन ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 41 गेंदों पर 62 रनों की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। युवा रेड्डी ने अनुभवी क्लासेन का बखूबी साथ निभाया और महज 33 गेंदों पर 56 रनों की आक्रामक पारी खेली। रेड्डी के बल्ले से 3 चौके और 5 छक्के निकले। इन

फोटोः हि.स.

दोनों के आउट होने के बाद हैदराबाद का निचला क्रम एक बार फिर लड़खड़ा गया और टीम 156 रनों पर सिमट गई। लखनऊ के लिए मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने अपनी गति और सटीकता से 2-2 विकेट झटके। 157 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरूआत शानदार रही। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम ने पहले ओवर से ही इरादे साफ कर दिए थे। शुरूआती 4 ओवरों में ही दोनों ने 33 रन जोड़कर हैदराबाद के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। हालांकि मार्श (14) जल्दी आउट हो गए, लेकिन मार्करम ने दूसरी छोर से प्रहार जारी रखा। मार्करम ने अपनी 45 रनों की पारी (27 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के) से लखनऊ को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मध्यक्रम में लखनऊ की पारी थोड़ी लड़खड़ाई जब आयुष बदोनी (12), निकोलस पूरन (1) और अब्दुल समद (16) सस्ते में पवेलियन लौट गए। मैच एक समय बराबरी पर खड़ा था, लेकिन कप्तान ऋषभ पंत ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। ऋषभ पंत ने रविवार को दिखाया कि उन्हें क्यों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशरों में गिना जाता है। जब विकेट गिर रहे थे, तब पंत ने सूझबूझ से पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने न केवल स्ट्राइक रोटेट की, बल्कि ढीली गेंदों को सीमा रेखा के बाहर भी भेजा। पंत ने अपनी 50 गेंदों की पारी में 9 चौके लगाए। मैच आखिरी ओवर तक खिंचा, लेकिन पंत के शांत दिमाग ने लखनऊ को डगमगाने नहीं दिया। उन्होंने 20वें ओवर की पांचवीं गेंद पर विजयी रन बनाया और 68 रन बनाकर नाबाद लौटे। हैदराबाद के लिए हर्ष दुबे ने 2 विकेट लेकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन वे पंत की एकाग्रता को भंग नहीं कर पाए। मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट लखनऊ की पारी के दौरान एडेन मार्करम और ऋषभ पंत के बीच हुई स्थिरता रही। हालांकि विकेट गिरे, लेकिन पंत ने पैनिक बटन नहीं दबाया। हैदराबाद की ओर से ईशान मलिंगा और शिवांग कुमार ने कसी हुई गेंदबाजी की, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर अतिरिक्त रन देना उन्हें भारी पड़ा।

फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल में 800 से ज्यादा प्रतिभागियों ने दिखाया फिटनेस का जोश

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

नई दिल्ली के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में शनिवार को फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 68वें संस्करण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न फिटनेस जोन्स में हिस्सा लिया। इन गतिविधि जोन्स में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, क्रिकेट, रस्साकशी, योग, स्किपिंग चैलेंज और कैरम, लूडो व सांप-सीढ़ी जैसे पारंपरिक खेल शामिल थे।

कार्यक्रम में शामिल दिल्ली की निवासी रितु शर्मा ने कहा कि मैं यहां सिर्फ साइकिल चलाने आई थी, लेकिन यह तो एक पूरा फिटनेस फेस्टिवल जैसा लग रहा है। मेरे बच्चे बैडमिंटन और टेबल टेनिस खेल रहे हैं, जबकि मैं योग कर रही हूं। यहां हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। एक अन्य प्रतिभागी जस्मीत चंदोक ने कहा कि यहां का माहौल अद्भुत है। संगीत, खेल और साइक्लिंग–सब मिलकर इसे विश्व स्वास्थ्य दिवस के उत्सव जैसा बना देते हैं। इस आयोजन की खास बात यह रही कि स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े

फोटोः हि.स.

लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जैसे संगठनों ने विशेष भागीदार के रूप में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जुम्बा, योग और रस्सी कूद जैसे ऊर्जावान सत्रों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना, पावरलिफ्टिंग गुरु मुकेश गहलोत और पैरालंपियन पुष्पेंद्र सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि और फिटनेस इन्फ्लुएंसर मौजूद रहे।

परविंदर अवाना ने कहा कि यह सिर्फ रविवार तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे रोज की आदत बनाना चाहिए। मुकेश गहलोत ने कहा कि कई वर्षों बाद यह एक नया अनुभव रहा और मुझे बहुत अच्छा लगा। पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल हमारे जीवन में अपनाने के लिए सबसे बेहतरीन है। एक युवा डॉक्टर ने कहा कि साथियों के साथ साइक्लिंग करना अस्पताल के बाहर एक उत्सव जैसा अनुभव था, जबकि एक नर्सिंग छात्रा ने इसे याद दिलाने वाला पल बताया कि दूसरों की देखभाल से पहले खुद की देखभाल जरूरी है। इस अवसर पर रहगिरी फाउंडेशन ने एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें सक्रिय जीवनशैली और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों के महत्व को दशार्या गया।

बेन स्टोक्स का खिलाड़ियों को संदेश-काउंटी में प्रदर्शन से बनाएं चयन का रास्ता

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने खिलाड़ियों से चल रहे काउंटी चैंपियनशिप सीजन में इंग्लैंड टीम में जगह पाने के लिए अपना दावा मजबूत करने का आग्रह किया है। इंग्लैंड की टीम एक बहुप्रतीक्षित घरेलू सीजन की तैयारी कर रही है। ऐसे में टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि मौजूदा घरेलू रेड-बॉल सीजन खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में चयन का रास्ता है। आईसीसी के अनुसार स्टोक्स ने काउंटी चैंपियनशिप के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि यह देश भर के खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मौका है। उन्होंने कहा कि जब हम ऑस्ट्रेलिया में थे, उसी समय लायंस टीम भी वहां थी, तो आप देख सकते हैं कि उस सिस्टम से कौन-कौन से खिलाड़ी उभरकर आ रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि इंग्लैंड में जो प्रतिभा है, उस पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता है। हमारे पास खिलाड़ियों का जो पूल

फोटोः हि.स.

है, जो प्रतिभा है, वह शायद लंबे समय में सबसे मजबूत है। स्टोक्स के काउंटी चैम्पियनशिप में डरहम के लिए खेलने की उम्मीद थी, लेकिन वह फिलहाल टूटी हुई गाल की हड्डी से उबर रहे हैं, जो उन्हें फरवरी में नेट प्रैक्टिस के दौरान लगी थी। इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर के मई तक मैदान पर वापसी करने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि चैंपियनशिप के पहले छह-सात हफ्ते बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। खिलाड़ियों को इसे एक अवसर के रूप में लेना चाहिए और चयन के लिए अपना दावा जितना मजबूत हो सके, उतना मजबूत करना चाहिए। जब हम चयन के लिए बैठें, तब तक वे खुद को सबसे अच्छे मौके की स्थिति में रखें।

समैस प्वाइंट बैडमिंटन एकेडमी का भव्य शुभारंभ 10 अप्रैल को

सीवान। शहर के ललन कॉम्प्लेक्स स्थित यूको बैंक एटीएम के सामने 'समैस प्वाइंट बैडमिंटन एकेडमी' का भव्य शुभारंभ 10 अप्रैल को होगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दरौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह एवं जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। एकेडमी के डायरेक्टर पवन कुमार सिंह उर्फ गुड्डू जी ने रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'खेले सीवानझबढ़े सीवान' के संकल्प के साथ इस आधुनिक खेल केंद्र की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य स्थानीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अब सीवान के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। एकेडमी में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और वैज्ञानिक प्रशिक्षण की सुविधा देकर खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। एकेडमी में बैडमिंटन के लिए इंटरनेशनल मानक के अनुरूप क्लास मैट और सिंथेटिक कोर्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही, नेशनल और इंटरनेशनल स्तर के अनुभवी कोचों द्वारा प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जाएगी। सुरक्षा के दृष्टिकोण से लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम और बाथरूम की व्यवस्था की गई है।

गेंदबाजी में सुधार के लिए की कड़ी मेहनतः बिश्नोई

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार रात खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के हीरो लेग स्पिनर रवि बिश्नोई रहे, जिन्होंने चार महत्वपूर्ण विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे बिश्नोई ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया को आउट कर मैच का रुख पलट दिया।

मैच के बाद बिश्नोई ने कहा कि पिछला सीजन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने अपनी लेंथ और प्रदर्शन पर लगातार मेहनत की। उन्होंने बताया कि मानसिक, तकनीकी और शारीरिक–तीनों स्तर पर सुधार के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अपने पसंदीदा विकेट के रूप में उन्होंने राहुल तेवतिया का नाम लिया। बिश्नोई के अनुसार, वह ऐसे मौकों के खिलाड़ी हैं।

फोटोः हि.स.

अगर वह उस समय आउट नहीं होते, तो मैच किसी भी तरफ जा सकता था। बिश्नोई ने आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, तुषार देशपांडे ने जिस तरह गेंदबाजी की और जोफ्रा आर्चर ने जैसे 19वां ओवर डाला, वह शानदार था। यह पूरी टीम का प्रयास था। हमारी टीम युवा है और हम आगे भी ऐसे ही अच्छा प्रदर्शन करते रहना चाहते हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 210 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल (55) और ध्रुव जुरेल (75) ने शानदार अर्धशतक लगाए, जबकि वैभव रघुवंशी ने 31 रनों की तेज पारी खेली।

सचिवालय सुपर लीग में सचिवालय विंग और सुपर किंग्स ने दर्ज की जीत

देहरादून। देहरादून के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में शनिवार को सचिवालय सुपर लीग 2026 के दो मैच खेले गए। पहले मैच में सचिवालय विंग्स और दूसरे मैच में सचिवालय सुपर किंग्स ने जीत दर्ज की। सचिवालय विंग्स और सचिवालय लायंस के बीच खेले गए मैच में विंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 06 विकेट पर कुल 180 रन बनाए। देवेंद्र सिंह रावल ने 75 रन बनाए। मदन और प्रमोद ने 02-02 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए लायंस 4 विकेट पर 161 रन ही बना सकी। मदन ने सर्वाधिक 66 रन बनाए। संजय जोशी ने 02 विकेट लिए। इस तरह सचिवालय विंग्स ने यह मैच 19 रन से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच देवेंद्र रावल को दिया गया। दिन का दूसरा मैच सचिवालय सुपर किंग्स और सचिवालय राइजिंग के बीच खेला गया। सचिवालय राइजिंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 84 रन बनाए, अमित सतवाल ने सर्वाधिक 28 रन बनाए। नरेश ने 06 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर किंग्स की टीम ने 10 ओवर में 05 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। अमित तोमर ने सर्वाधिक 48 रन बनाए। राकेश जोशी ने 05 विकेट लिए। इस तरह सुपरकिंग्स ने मैच 05 विकेट से जीत लिया।

गलतियों से सीखकर मजबूत वापसी करेंगेः राशिद

एजेंसी (हि.स.)

अहमदाबाद

गुजरात टाइटन्स के कार्यवाहक कप्तान राशिद खान ने शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में लगातार दूसरी हार पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम की लय टूट गई। राशिद ने यह भी कहा कि टूर्नामेंट अभी शुरूआती दौर में है और टीम अपनी गलतियों से सीखकर अगले मैच में मजबूत वापसी करेगी।

नियमित कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए, उनकी जगह राशिद खान ने टीम की कमान संभाली। मैच के बाद राशिद ने कहा कि हमने अच्छी गेंदबाजी की, खासकर जिस तरह उन्होंने शुरूआत की थी, उसके बावजूद उन्हें लगभग 210 के अंदर रोकना एक बेहतरीन प्रयास था। फिर हमने बल्लेबाजी में भी अच्छी शुरूआत की। ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों ने हमें बेहतरीन शुरूआत

फोटोः हि.स.

दी। लेकिन 12वें और 13वें ओवर में हमने लगातार विकेट खो दिए। इससे हमने मैच में लय खो दिया। मुझे लगता है कि इस तरह की विकेट पर 9-10 रन प्रति ओवर बनाना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। लेकिन उस समय हम थोड़ी लय खो बैठे और लंबे समय तक आक्रामक नहीं खेल पाए। इस विकेट पर बाउंड्री आसानी से मिल रही थीं, लेकिन उस दौरान जल्दी-जल्दी विकेट गिरने से हम अंत तक लय बनाए नहीं रख सके।

आखिरी ओवर को लेकर राशिद ने कहा कि हमें बस एक बाउंड्री चाहिए थी। अगर वो मिल जाती, तो ज्यादा बाउंड्री की जरूरत नहीं रहती। लेकिन तुषार ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने कुछ बेहतरीन यॉर्कर डाले, जिससे हमें मौका नहीं मिला।

दर्पण विशेष

मैदान से मानवता तकः 'अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस' और वैश्विक शांति की नई इबारत

साल का वह दिन फिर करीब है जब दुनिया की रफ्तार थोड़ी थमती है, लेकिन यह थमना किसी बंदिश के कारण नहीं, बल्कि एक गेंद, एक रैकेट या एक दौड़ के मैदान पर एकजुट होने के लिए है। आज, यानी 6 अप्रैल को पूरी दुनिया 'विकास और शांति के लिए खेल का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' मनाने जा रही है। साल 2026 में जब वैश्विक पटल पर भू-राजनीतिक तनाव और वैचारिक मतभेद अपनी चरम सीमा पर हैं, तब खेलों की यह 'मृदु शक्ति' शांति स्थापना के लिए एक आखिरी उम्मीद की तरह नजर आती है। संयुक्त राष्ट्र ने इस वर्ष की थीम खेलः सेतु निर्माण, बाधाओं को तोड़ना रखी है। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उस कड़वी हकीकत का जवाब है जहां दीवारें ऊंची हो रही हैं और संवाद के रास्ते बंद हो रहे हैं। एक अनुभवी पत्रकार के तौर पर जब हम खेल के मैदानों को देखते हैं, तो वहां न कोई धर्म होता है, न कोई सरहद; वहां सिर्फ 'खिलाड़ी' होता है।

एथेंस से आज तक का सफर

इस दिन को चुनने के पीछे एक गहरा ऐतिहासिक कारण छिपा है। 06 अप्रैल 1896 को ही यूनान की राजधानी एथेंस में आधुनिक युग के पहले ओलंपिक खेलों का आगाज हुआ था। 2013 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से इस तारीख को 'शांति और विकास' के नाम समर्पित किया। तब से लेकर आज तक, यह दिवस केवल एथलीटों का उत्सव नहीं रह गया है, बल्कि यह उन समुदायों का उत्सव बन गया है जो फुटबॉल के एक मैच से दशकों पुरानी दुश्मनी को भुला देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम है, बल्कि यह दुनिया भर में 30% से अधिक उन युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है जो युद्धग्रस्त या संघर्षपूर्ण क्षेत्रों में रह रहे हैं। इस वर्ष के आयोजनों का नेतृत्व मोनाको और कतर के मिशनों द्वारा किया जा रहा है, जो खेलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को नया आयाम दे रहे हैं।

2026 की घोषणाएं

व्हाइट कार्ड अभियानः शांति और खेल संगठन ने इस बार 120 से अधिक देशों में 'व्हाइट कार्ड' अभियान शुरू किया है। लाल कार्ड जहां बाहर निकलने का संकेत है, वहीं 'सफेद कार्ड' समावेशिता और शांति का प्रतीक बन गया है। **ग्रीन प्ले पहलः** इस वर्ष खेलों को पर्यावरण से जोड़ते हुए 'नेट जीरो' उत्सर्जन वाले स्टेडियमों और खेल आयोजनों पर वैश्विक नीति बनाने की घोषणा की गई है। **समावेशी भागीदारीः** अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने घोषणा की है कि 2026 के अंत तक विकासशील देशों में 50,000 से अधिक दिव्यांग बच्चों को विशेष खेल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कूटनीति का 'प्लेग्राउंड'

इतिहास गवाह है कि जो काम मेज पर बैठकर बड़े-बड़े राजनयिक नहीं कर पाए, वह एक खेल के मैदान ने कर दिखाया। 1970 के दशक की 'पिंग-पोंग कूटनीति' (अमेरिका और चीन के बीच) से लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच 'क्रिकेट डिप्लोमेसी' तक, खेलों ने हमेशा तनाव को कम करने वाले 'सेफ्टी वाल्व' का काम किया है। वर्तमान में रूस-यूक्रेन संघर्ष या मध्य-पूर्व के तनावपूर्ण हालातों के बीच, खेल संगठनों की भूमिका चुनौतीपूर्ण रही है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का कहना है कि खेल 'तटस्थ' रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह 'एकजुट' करने का नाम है। इस साल इस दिवस पर विशेष ध्यान उन 'शरणार्थी एथलीटों' पर दिया जा रहा है, जिन्होंने अपना घर खोने के बावजूद तिरंगे के बजाय 'ओलंपिक ध्वज' के नीचे अपनी पहचान ढूंढी है। ग्रामीण भारत हो या दक्षिण अफ्रीका की बस्तियां, खेल ने महिलाओं को वह आत्मविश्वास दिया है जो शायद सालों की किताबी शिक्षा नहीं दे पाती। जब एक लड़की गांव की पगडंडी पर दौड़ती है, तो वह केवल दूरी तय नहीं करती, बल्कि वह उन सामाजिक बेड़ियों को भी तोड़ती है जो उसे घर की चारदीवारी तक सीमित रखना चाहती हैं। यूनेस्को की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, खेलों में निवेश करने से स्वास्थ्य बजट में 15% तक की कमी आ सकती है।

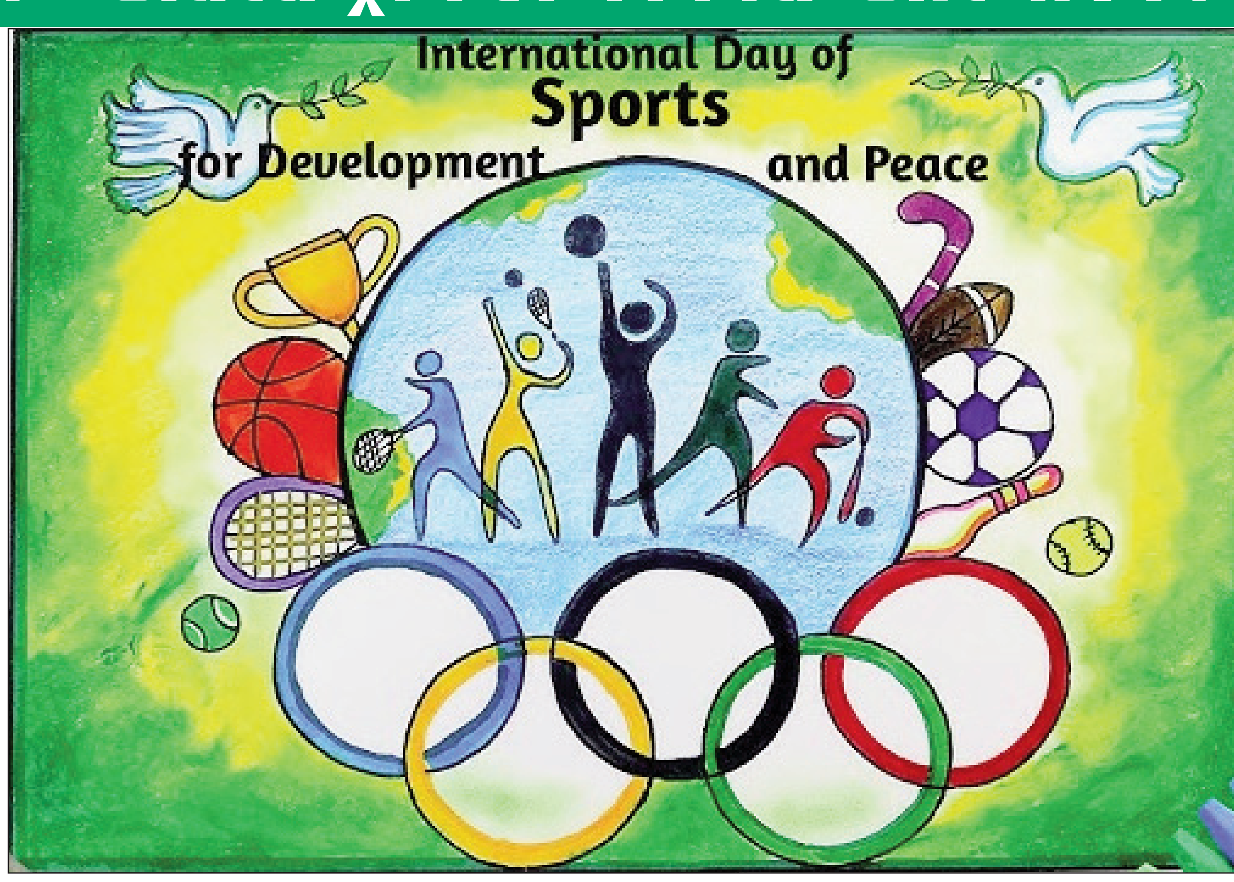

संयुक्त राष्ट्र ने खेल को सतत विकास का एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक माना

शरणार्थी शिविरों और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में खेल के माध्यम से बच्चों को मानसिक आघात से बाहर निकालना। खेलों के जरिए महिलाओं और लड़कियों को नेतृत्व के अवसर देना और 'कांच की छतों' को तोड़ना गैर-संचारी रोगों (जैसे मोटापा, मधुमेह) को कम करने के लिए शारीरिक सक्रियता को बढ़ावा देना। 2030 के एजेंडे को प्राप्त करने के लिए खेलों का उपयोग करना, विशेष रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शांति। जैसे फुटबॉल में 'रेड कार्ड' सजा का प्रतीक है, वैसे ही शांति का प्रतीक है। इसे 'पीस एंड स्पोर्ट' नामक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा शुरू किया गया। सफेद कार्ड दिखाना यह दशार्ता है कि आप खेल के माध्यम से दुनिया में शांति और समावेशिता का समर्थन करते हैं। हर साल 6 अप्रैल को दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी (जैसे मेसी, रोनाल्डो, नोवाक

जोकोविच) सोशल मीडिया पर सफेद कार्ड के साथ अपनी फोटो साझा करते हैं। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जब खेलों ने वह कर दिखाया जो सेना और सरकारें नहीं कर पाईं: पिंग-पोंग कूटनीति (1971): अमेरिका और चीन के बीच जमे हुए रिश्तों की बर्फ टेबल टेनिस के मैच से पिघली थी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के लिए कई बार शीर्ष नेताओं ने क्रिकेट मैचों का सहारा लिया है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, ब्रिटिश और जर्मन सैनिकों ने युद्ध रोककर एक अनौपचारिक फुटबॉल मैच खेला था–यह खेल की शांति शक्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है।

आज के दौर में इस दिवस का महत्व और बढ़ गया है क्योंकि-युवाओं का स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है, जिससे शारीरिक और मानसिक समस्याएं बढ़ रही हैं। क्लरउ्ढ उन्हें मैदान पर वापस लाने का आान करता है। इस साल खेल आयोजनों को 'इको-फ्रेंडली' और 'कार्बन न्यूट्रल' बनाने पर जोर दिया जा रहा है। यूक्रेन, गाजा और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' प्रोजेक्ट्स के माध्यम से शांति दूत भेजे जा रहे हैं।

एक नजरः खेलों का आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

रोजगार सृजनः वैश्विक खेल उद्योग अब 500 बिलियन डॉलर से अधिक का हो चुका है, जो करोड़ों लोगों को आजीविका प्रदान कर रहा है। मानसिक स्वास्थ्यः अध्ययनों से पता चला है कि खेल से जुड़े युवाओं में अवसाद की दर अन्य के मुकाबले 25% कम होती है। अनुशासनः खेल हार को पचाना और जीत में विनम्र रहना सिखाता है–जो कि आधुनिक लोकतंत्र की सबसे बड़ी जरूरत है। हालांकि, सब कुछ सुनहरा नहीं है। खेलों में बढ़ता 'व्यवसायीकरण' और 'डोपिंग' जैसे काले साये इसकी पवित्रता को चुनौती दे रहे हैं। 06 अप्रैल का यह दिन हमें याद दिलाता है कि खेल का मूल 'व्यापार' नहीं, बल्कि 'मानवीय भावना' है। आने वाले वर्षों में, विशेष रूप से 2026 के डकार युवा ओलंपिक खेलों की ओर देखते हुए, दुनिया को खेलों को एक मौलिक अधिकार के रूप में देखना होगा। खेल का मैदान वह जगह होनी चाहिए जहां एक गरीब का बच्चा भी बिना किसी डर के अपने सपने दौड़ सके।

खेल ही है असली विजेता

जैसे-जैसे सूरज कल की सुबह यानी 6 अप्रैल को उगेगा, दुनिया के कोने-कोने में बच्चे फुटबॉल के पीछे भागेंगे, बुजुर्ग पार्कों में योग करेंगे और एथलीट अपनी सीमाओं को चुनौती देंगे। यह महज एक शारीरिक गतिविधि नहीं होगी; यह इस बात का प्रमाण होगा कि मानवता अभी भी जीवित है और वह शांति चाहती है। विकास और शांति के लिए खेल का यह अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें एक बहुत ही सरल लेकिन शक्तिशाली संदेश देता है– मैदान पर हम प्रतिद्वंद्वी हो सकते हैं, लेकिन जीवन में हम सब एक ही टीम के साथी हैं। आइए, कल अपने हिस्से का एक खेल खेलें, चाहे वह शांति के लिए हो या खुद के विकास के लिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 23 अगस्त 2013 को इस दिवस की आधिकारिक घोषणा की गई थी। विश्व स्तर पर पहली बार यह दिवस 6 अप्रैल 2014 को मनाया गया। 06 अप्रैल 1896 को ही आधुनिक युग के पहले ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई थी। 2026 की थीमः 'खेलः सेतु निर्माण, बाधाओं को तोड़ना'। इस वर्ष के मुख्य आयोजनों का नेतृत्व कतर और मोनाको के स्थायी मिशनों द्वारा संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस के लिए कुछ मूलभूत लक्ष्य निर्धारित किए हैंः शांति स्थापनाः उन क्षेत्रों में खेल आयोजित करना जहाँ सांस्कृतिक या राजनीतिक तनाव है, ताकि लोगों के बीच दूरियां कम हों। सतत विकासः खेल को शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास के एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना। मानवाधिकारों की रक्षाः खेलों के माध्यम से समानता (विशेषकर लैंगिक समानता) और भेदभाव को मिटाने का संदेश देना। टीम वर्क और अनुशासनः युवाओं में नेतृत्व क्षमता, धैर्य और आपसी सम्मान की भावना विकसित करना।

खेल क्यों है जरूरी

जब दो देशों के बीच बातचीत के रास्ते बंद हो जाते हैं, तब खेल 'सॉफ्ट डिप्लोमेसी' का काम करता है। इसे 'ट्रैक टू डिप्लोमेसी' भी कहा जाता है, जहाँ खिलाड़ी राजदूत बनकर शांति का संदेश फैलाते हैं। खेल समाज के हाशिए पर मौजूद लोगों, जैसे दिव्यांगजनों और शरणार्थियों को एक पहचान और मंच प्रदान करता है। यह समाज में 'अछूत' और 'भेदभाव' जैसी कुप्रथाओं को मिटाने की ताकत रखता है। एक सक्रिय समाज न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ होता है, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत होता है। खेल उद्योग दुनिया भर में करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है और पर्यटन को बढ़ावा देता है। खेल में दुनिया को बदलने की शक्ति है। यह प्रसिद्ध कथन नेल्सन मंडेला का है, जो इस दिवस की आत्मा को दशार्ता है। खेल हमें सिखाता है कि हारने के बाद फिर से कैसे खड़ा होना है और जीतने के बाद कैसे विनम्र रहना है। 2026 की थीम खेलः सेतु निर्माण, बाधाओं को तोड़ना इसी उद्देश्य को समर्पित है कि हम खेल के जरिए उन दीवारों को गिरा दें जो इंसान को इंसान से अलग करती हैं।

नवजात शिशुओं के तंत्रिका संबंधी विकार पर एक-विषयक कार्यशाला आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नवजात शिशुओं के तंत्रिका संबंधी विकार पर दो-दिवसीय एक-विषयक कार्यशाला आज एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर,पीजीआईएमईआर में संपन्न हुई। सुबह के सत्र में इस क्षेत्र के संबंधित विशेषज्ञों द्वारा तीन दिलचस्प व्याख्यान दिए गए। संयुक्त आयोजन सचिव, डॉ. जोगेंद्र कुमार ने नवजात शिशुओं में दौरे के निदान और उपचार के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाल के शोधों से यह स्पष्ट रूप से सामने आया है कि नवजात शिशुओं में होने वाली अधिकांश असामान्य हलचलें, जिन्हें आम लोग और यहाँ तक कि विशेषज्ञ भी दौरे मान लेते हैं, वास्तव में दौरे नहीं होते; और इसके विपरीत, बड़ी संख्या में ऐसे दौरे जो मस्तिष्क की तरंगों की एए जाँच में पकड़ में आते हैं, वे बाहरी रूप से दिखाई देने वाले दौरों के रूप में प्रकट नहीं होते, लेकिन फिर भी वे मस्तिष्क को नुकसान पहुँचाते हैं। उन्होंने कहा कि हर उस बाल चिकित्सा सुविधा केंद्र में, जहाँ बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल की जाती है, निरंतर एए- निगरानी की सुविधा होनी चाहिए; अन्यथा, वे दौरों का या तो जरूरत से ज्यादा निदान करेंगे या जरूरत से कम निदान प्रो. नवीन सांख्यन ने नवजात शिशु के जीवन के शुरूआती दौर में रक्त शर्करा के निम्न स्तर के संभावित रूप से विनाशकारी प्रभावों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों का एक बड़ा हिस्सा, जिन्हें मिर्गी का इलाज कराना बहुत मुश्किल होता है, उनके जीवन के शुरूआती दौर में रक्त शर्करा का स्तर कम रहने का इतिहास रहा होता है।

दीर्घकालिक तंत्रिका-विकास के विशेषज्ञ डॉ. नवीन जैन ने उच्च-जोखिम वाले नवजात शिशुओं के लिए एक सुनियोजित अनुवर्ती कार्यक्रम की आवश्यकता के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अनुवर्ती जाँच के हर दौरे का एक विशिष्ट उद्देश्य और कार्य-योजना होनी चाहिए, जिसे माता-पिता को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए। दोपहर के भोजन से पहले के सत्र में, पीजीआई के स्त्री रोग विभाग की डॉ. भारती शर्मा ने विभिन्न सुरक्षात्मक रणनीतियों के बारे में बात की, जिनका उपयोग स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था के दौरान नवजात शिशु के मस्तिष्क को सुरक्षित रखने के प्रयास में कर सकते हैं। दो महत्वपूर्ण हस्तक्षेप हैं: समय से पहले प्रसव का खतरा होने पर मैग्नीशियम सल्फेट का इंजेक्शन और स्टेरॉयड का इंजेक्शन देना। डॉ. साजन सैनी ने हाइड्रोसेफलस (मस्तिष्क के अंदर अतिरिक्त पानी जमा होना) की जटिल समस्या के बारे में बात की, जो कभी-कभी समय से पहले जन्मे शिशुओं के मस्तिष्क के अंदर रक्तस्राव होने के बाद उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने ऐसे रोगियों के उपचार के लिए वर्तमान में स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देश प्रस्तुत किए। डॉ. विजयलक्ष्मी बेहरा ने नवजात शिशुओं में ब्रेन स्ट्रोक की समस्या, इसके कारणों, निदान के तरीकों और उपचार के विकल्पों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ शिशुओं को रक्त के थक्कों को नियंत्रित करने के लिए कम खुराक वाली हेपरिन और कभी-कभी एस्पिरिन की आवश्यकता होती है। दोपहर के भोजन के बाद, प्रतिनिधियों ने तीन वास्तविक जीवन के केस परिदृश्यों पर गहन समूह चचाओं में भाग लिया, जिनमें ऐसे नवजात शिशु शामिल थे जिन्हें विभिन्न प्रकार की मस्तिष्क संबंधी समस्याएं थीं।

प्रतिनिधियों को इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ आमने-सामने बातचीत करने का अवसर मिला। वास्तविक जीवन के केस परिदृश्यों में नैदानिक डेटा, प्रयोगशाला परिणाम, और जहाँ भी लागू हो, अल्ट्रासाउंड और छवियाँ शामिल थीं। इन मामलों में एक समय से पहले जन्मा (प्रीटर्म) शिशु शामिल था जिसे मस्तिष्क में रक्तस्राव के बाद जटिलताएं उत्पन्न हो गई थीं; एक पूर्ण-अवधि (मैच्योर) का शिशु शामिल था जिसे बहुत अधिक पीलिया के कारण मस्तिष्क क्षति हुई थी; और एक अन्य पूर्ण-अवधि का शिशु शामिल था जो जन्म के समय सांस लेने में असमर्थ रहा, जिसके परिणामस्वरूप उसे मस्तिष्क क्षति और दौरे पड़ने की समस्या हो गई। फीडबैक सत्र में, प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से 'एकल-विषय कार्यशालाओं' के प्रारूप के प्रति अपनी अत्यधिक संतुष्टि व्यक्त की।

युवा आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनें: भारत भूषण भारती

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है हरियाणा सरकार

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नेचर कैंप थापली में आयोजित 3 दिवसीय भ्रमण एवं ट्रैकिंग कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हरियाणा के ओएसडी भारत भूषण भारती ने दयाल सिंह कॉलेज करनाल के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की युवाओं के सर्वांगीण विकास संबंधी दृष्टि को साझा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का स्पष्ट विजन है कि राज्य का युवा शिक्षित, आत्मनिर्भर और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला हो। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर देश सेवा के लिए प्रेरित किया तथा विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि युवा अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देश में करेंगे तो हरियाणा और भारत की प्रगति को नई दिशा मिलेगी।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत प्रतिदिन एक विश्वविद्यालय के विद्यार्थी नेचर कैंप थापली का भ्रमण करते हैं। यह आयोजन हरियाणा के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत हरियाणा एवं पंजाब के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को नेचर कैंप थापली भ्रमण हेतु आमंत्रित किया जाता है। यहां छात्र-छात्राएं प्रकृति के सान्निध्य में समय व्यतीत कर पर्यावरणीय तंत्र (ईकोसिस्टम) की कार्यप्रणाली को समझते हैं तथा जैव विविधता, जल संरक्षण और वन संरक्षण जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करते हैं।

डिप्टी रेंज ऑफिसर ने विद्यार्थियों को सतत विकास एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन परमजीत, डिप्टी रेंज ऑफिसर विजय नेहरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम की सराहना की तथा युवाओं को पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से बैंको के माध्यम से 3 लाख रुपये तक की ऋण सुविधा करवाई जा रही है उपलब्ध

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि विधवा महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के ऋण दिलवाने की योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत जिला के लिये 20 केसों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि योजना के अन्तर्गत जिन महिलाओं की वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक तथा आयु 18 से 60 वर्ष है, इस स्कीम की पात्र होंगी।

योजना के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कुल ऋण का 10 प्रतिशत हिस्सा महिला को स्वंय वहन करना होगा तथा शेष राशि बैंकों के माध्यम से दी जाएगी। बैंक ऋण के ऊपर लगे ब्याज की प्रतिपूर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा सब्सिडी के रुप में अदा की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 50,000 रुपये व अवधि 3 वर्ष जो भी पहले होगी।

उन्होंने बताया कि विभिन्न क्रियाकलापों जैसे कि बुटिक, सिलाई-कढ़ाई, आटो, ई-रिक्शा, मसाला, आचार इकाइया, खाद्य प्रसंस्करण, कैरी बैग का निर्माण, बेकरी, रेडीमेंट्स गारमेंटस, कम्पयूटर जांच वर्क्स इत्यादि तथा अन्य किसी भी कार्य जिसको महिलाएं करने में सक्षम हो, उन सभी कार्यों के लिए ऋण देने से पूर्व ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी ताकि महिला को अपने कारोबार या लघु उघोग स्थापित करने में कार्य कुशलता की कमी महसूस न हो।

उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिये निगम के कार्यालय जिला प्रबन्धक हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा न0 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय सैक्टर-1 पंचकूला, फोन न0 0172-2585271 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

एसडी कॉलेज के रीडर्स क्लब ने यादगार अंदाज में किया सत्र 2025-26 का समापन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के रीडर्स क्लब की ओर से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) के सहयोग से 2025-26 सत्र के समापन पर कॉलेज लाइब्रेरी में मोमेंट्स एंड माइलस्टोन्स: ए फेयरवेल सोइरी शीर्षक से समापन समारोह आयोजित किया। समारोह के दौरान पूरे सत्र की गतिविधियों और उपलब्धियों की झलक प्रस्तुत की गई। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए क्लब के साथ बिताए पलों को याद किया, जिससे माहौल भावुक और उत्साहपूर्ण बना रहा।

समापन समारोह में सांसद मनीष तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्लब के कोर व सक्रिय सदस्यों को परिसर में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद ने क्लब सदस्यों से संवाद करते हुए रीडिंग सर्कल सत्रों, उनकी पढ़ने की रुचियों और सत्र के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से पढ़ने की आदत बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पढ़ना केवल शिक्षा का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है। समापन समारोह में कॉलेज प्रबंधन के प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे। इस दौरान फाइनेंस सेक्रेटरी जतिंदर भाटिया, जीजीडीएसडी कॉलेज सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. पीके बजाज, प्रो. एसके शर्मा और प्रो.एससी वैद्य सहित गवर्निंग बॉडी के अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा की और इस तरह की गतिविधियों को आगे भी जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

क्लब संयोजक डॉ. गुरप्रीत सिंह ने रीडर्स क्लब और एनडीएलआई क्लब की पहलों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन गतिविधियों ने छात्रों में बौद्धिक जुड़ाव को बढ़ावा दिया है और उन्हें साहित्यिक व शैक्षणिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

जलरंग प्रदर्शनी को लेकर दिखा दर्शकों में जुनून

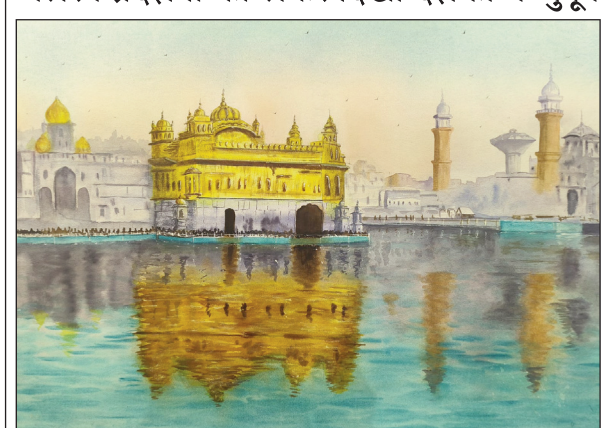

चंडीगढ़। गवर्नमेंट म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी, सेक्टर-10 में आर्ट एग्जीबिशन जर्नीज एंड हार्बर्स में आर्टिस्ट अर्चना के लगभग 113 आर्टवर्क्स प्रदर्शित किये गए। आज गैलरी में आर्टिस्ट कुलविंदर सिंह कुल्स द्वारा वॉटर कलर से आर्ट डेमोंस्ट्रेशन दिया जिसमें कला विद्यार्थियों ने वॉटर कलर आर्ट का लाइव डेमोंस्ट्रेशन देखा। आर्टिस्ट अर्चना ने बताया कि इस जलरंग प्रदर्शनी को देखने विक्रांत शितोले, आर्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष और कुलविंदर सिंह (कुल्स), राम कुमार शर्मा, रविंदर शर्मा, डीएस कपूर, अध्यक्ष भीम मल्होत्रा, मदन लाल शर्मा, सिकंदर सिंह सहित कई कलाकारों ने उपस्थित होकर आर्ट एग्जीबिशन का अवलोकन किया व सराहा।

गोविंद सिंह पंवार बने जय माता मठियांणा देवी सेवा समिति के अध्यक्ष

चंडीगढ़। गढ़वाल भवन, सेक्टर-29 में जय माता मठियांणा देवी सेवा समिति, चंडीगढ़ के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए जिसमें गोविंद सिंह पंवार को अध्यक्ष, भगवान सिंह पंवार को प्रधान, रोशनी राणा को उप-प्रधान, ज्योति प्रकाश पाण्डे को महासचिव, बीना बिष्ट को सचिव, उदय सिंह को कोषाध्यक्ष, प्रदीप रावत को उप-कोषाध्यक्ष, श्रीमती शशि पुरोहित को सांस्कृतिक सचिव तथा सुभाष सेमवाल को ऑडिटर चुना गया। इनके अतिरिक्त विजय किशोर भंडारी, सुमेधा वशिष्ठ, अनीता पंवार, चंद्रकांता भट्ट, सुषमा बिष्ट एवं बीना नेगी को संगठन सचिव नियुक्त किया गया। समिति के मार्गदर्शन हेतु दाताराम सेमवाल, दलीप सिंह पंवार, डी. डी. पाण्डे, महेश डिमरी, कमल सिंह बागड़ी, मोहन सिंह नेगी, बीरेन्द्र सिंह नेगी, दर्शन सिंधवाल, गजपाल सिंह नेगी एवं विक्रम सिंह नेगी को सलाहकार चुना गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने समिति के उद्देश्यों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने तथा सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

ईस्टर प्रेम और आशा और नवीनीकरण की जीत का संदेश देता है : सुखजिंदर गिल

चंडीगढ़। इसाई समुदाय के पवित्र पर्व ईस्टर को सेक्टर 19 स्थित कैथोलिक चर्च में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर चर्च के सदस्य व मसीह एकता सभा के महासचिव सुखजिंदर गिल ने कहा कि यह दिन ईसा मसीह के पुनरुत्थान का प्रतीक है जो प्रेम और आशा और नवीनीकरण की जीत का संदेश देता है। ईस्टर हमें जीवन के नवीनीकरण और नए सिरे से शुरुआत करने का अवसर प्रदान करता है। हम सभी को ईसा मसीह की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और प्रेम क्षमा और सेवा के मार्ग पर चलना चाहिए।

बलबीर बाहरी तन्हा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

चंडीगढ़। प्राचीन कला केंद्र, सेक्टर 35 एवं बृहस्पति कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में साहित्य सरिता कार्यक्रम का अनुष्ठान किया गया व बलबीर बाहरी तन्हा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। केंद्र के अध्यक्ष और प्रसिद्ध संगीतज्ञ प्रो. सौभाग्य वर्धन ने कहा कि बलवीर बाहरी तन्हा बहुत ही जहीन गजलकार थे। साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ अनीश गर्ग ने कहा कि बाहरी की शायरी की खुशबू सदैव साहित्य प्रेमियों के हृदय में रहेगी। बरसों से बलवीर के साथी रहे प्रेम विज ने काव्य में ढंग से कहा -'वह बैंक में रुपयों का हिसाब रखता था, फिर अदब की दुनिया में उसने कदम रखा था। चमन शर्मा चमन और डॉ विभा रे ने भी अपने विचार रखें। काव्य गोष्ठी में शहर के जाने-माने कवियों और कवयित्रियों ने अपनी कविताओं से स्वर्गीय बलबीर बाहरी तन्हा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गोष्ठी में ज्योति रंजन, प्रीति, अमित कुमार, जया सूद,श्याम सुंदर, रोहित सिंह, सुरेंद्र पाल काकरोड़, करिश्मा वर्मा, प्रिया कुमारी, सुखविंदर पठानिया, दर्शन सिंह, कुसुम धीमान, केपी सिंह, राजेश कपिल, सरबजीत कौर, नीतू कुमारी, डॉ विभा राय आदि कवियों ने अपनी खूबसूरत कविताएं प्रस्तुत की।

पंचकूला के पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल बने एबीएएस के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपप्रधान

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला के पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (एबीएएस) का राष्ट्रीय वरिष्ठ उपप्रधान चुना गया है। इस पद के लिए कुल छह सदस्यों ने नामांकन किया था, जबकि चार पद निर्धारित थे। प्रक्रिया के दौरान दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिसके बाद कुलभूषण गोयल निर्वाचित घोषित किए गए। उनके साथ राजेंद्र अग्रवाल, पूरणमल अग्रवाल और सत्य भूषण जैन को भी राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया है। कुलभूषण गोयल पिछले लगभग 40 वर्षों से अग्रवाल समाज की विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। वे अग्रवाल सभा पंचकूला के प्रधान रह चुके हैं और इसके बाद उन्हें एबीएएस में प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने लगभग 18 वर्षों तक इस पद पर रहते हुए उल्लेखनीय कार्य किए। उनके नेतृत्व में अग्रोहा शक्तिपीठ, अग्रोहा (हरियाणा) में कई सराहनीय विकास कार्य संपन्न हुए। अपने निर्वाचन पर कुलभूषण गोयल ने सभी सदस्यों और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अग्रवाल सम्मेलन समाज के उत्थान और विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी यह कार्य जारी रहेगा। अग्रवाल समाज एवं अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने कुलभूषण गोयल को बधाई दी और कहा कि पंचकूला के लिए यह गर्व की बात है कि उनके शहर से किसी प्रतिनिधि को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है।

पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा आयोजित नवजात न्यूरोलॉजिकल विकार पर एकल थीम कार्यशाला का सफल आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नवजात न्यूरोलॉजिकल विकार पर दो-दिवसीय एकल थीम कार्यशाला आज पीजीआईएमईआर के एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर में संपन्न हुई। सुबह के सत्र में इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा तीन रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किए गए । डॉ. जोगेन्दर कुमार, संयुक्त आयोजन सचिव, ने नवजात शिशुओं में दौरे (फिट्स) के निदान और उपचार के बारे में बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि हालिया शोध से स्पष्ट हुआ है कि नवजात शिशुओं में पाए जाने वाले अधिकांश असामान्य आंदोलनों को आम लोग ही नहीं बल्कि कई विशेषज्ञ भी फिट्स समझ लेते हैं, जबकि वे वास्तव में फिट्स नहीं होते। इसके विपरीत, मस्तिष्क की ईईजी तरंगों में पता चलने वाले बड़ी संख्या में फिट्स बाहरी रूप से दिखाई नहीं देते, फिर भी वे मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि हर बाल चिकित्सा सुविधा जहाँ बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल होती है, वहाँ निरंतर ईईजी मॉनिटरिंग की सुविधा अवश्य होनी चाहिए, अन्यथा फिट्स का अधिक या कम निदान होने का जोखिम रहता है। प्रो. नवीन संख्यान ने शुरूआती नवजात अवधि में कम रक्त शर्करा स्तर के संभावित विनाशकारी प्रभावों पर बात की। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों का एक बड़ा हिस्सा, जिनमें इलाज के लिए बेहद कठिन मिर्गी पाई जाती है, उनके प्रारंभिक जीवन में रक्त शर्करा कम होने का इतिहास मिलता है।

दीर्घकालिक न्यूरोविकास विशेषज्ञ डॉ. नवीन जैन ने उच्च-जोखिम नवजात शिशुओं के लिए एक संरचित फॉलो-अप कार्यक्रम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर फॉलो-अप विज़िट का एक विशिष्ट उद्देश्य और कार्य योजना होनी चाहिए, जिसे माता-पिता को स्पष्ट रूप से बताना आवश्यक है। पूर्वाह्न सत्र में, पीजीआई के स्त्री रोग विभाग की डॉ. भारती शर्मा ने विभिन्न सुरक्षात्मक रणनीतियों पर व्याख्यान दिया, जिन्हें स्त्रीरोग विशेषज्ञ गर्भावस्था के दौरान नवजात शिशु के मस्तिष्क की सुरक्षा के लिए अपना सकते हैं। दो महत्वपूर्ण उपाय हैं – प्रसवपूर्व प्रसव के खतरे में मैग्नीशियम सल्फेट इंजेक्शन और स्टेरॉयड इंजेक्शन का उपयोग। डॉ. सज्जन सैनी ने हाइड्रोसेफेलस (मस्तिष्क के अंदर अतिरिक्त पानी भरना) की जटिल समस्या पर बात की, जो कभी-कभी प्रीटर्म शिशुओं के मस्तिष्क में रक्तस्राव के बाद होती है। उन्होंने ऐसे मरीजों के उपचार के लिए वर्तमान में स्वीकृत अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देश प्रस्तुत किए। डॉ. बिजयलक्ष्मी बेहेरा ने नवजात शिशुओं में मस्तिष्क स्ट्रोक की समस्या, उसके कारण, निदान के उपाय और उपचार के विकल्पों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ऐसे कुछ शिशुओं को कम मात्रा में हेपारिन और कभी-कभी ऐस्पिरिन की आवश्यकता होती है ताकि थक्कों को नियंत्रित किया जा सके।

फीडबैक सत्र में, प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से ऐसी एकल थीम कार्यशालाओं के प्रारूप पर बड़ी संतुष्टि व्यक्त की, जिनमें दो दिनों तक एक ही विषय पर गहराई से चर्चा की जाती है, और जिनमें केंद्रित समूह चचाओं, विशेषज्ञों से संवाद और व्यावहारिक कौशल सुधारने के लिए हैंड्स-ऑन वर्कस्टेशनों के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध होता है।

समागम

ब्रह्मज्ञान के द्वारा ही आता है भावों में बदलाव

गृहस्थ में रहते हुए सत्गुरू की शिक्षाओं का अनुसरण करें

सिटी दर्पण संवाददाता
मनीमाजरा

सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन पवित्र आशीर्वाद से संत निरंकारी सत्संग भवन, मौली जागरां में महिला समागम का आयोजन किया गया ।जिसमें महिला श्रद्वालुओं ने गीत, विचार, कविता, स्किट व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा सत्गृरू की शिक्षाओं का यशोगान किया। इस अवसर पर बहन सिमरन वर्मा जी, प्रचारिका, चंडीगढ़ ने कहा कि सत्गुरू की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने से ही सभी नकारात्मक पहलुओं का समाधान हो जाता है। उन्होंने एक उदाहरण से समझाते हुए कहा कि अकसर बाजार में कपड़े की दुकान पर कपड़े देखने जाते है, दुकानदार आपको कई वैरियटी के कपड़े दिखाता है। हमें चुनाव करना है कि क्या खरीदना है। इसी प्रकार आज समागम में श्रद्वालुओं से विचार, गीत आदि श्रवण किए हैं, परन्तु हम उसमें से क्या सिखलाई लेकर जाते हैं यह हम पर निर्भर करता है। लेकिन कोशिश करें कि यहां मिली सारी सिखलाई को जीवन में अपनाएं।

उन्होंने आगे कहा कि अगर हम सत्संग के अंदर तो दास भावना से युक्त होकर रहते हैं परन्तु अन्यथा मन अभिमान से भरा हुआ हो तो हमारी भी हालत उस सांप जैसी है जो बेशक अच्छा नजर आ रहा है, परंतु उसके शरीर में जहर है जो कभी हानि पहुंचा सकता है। जब तक मेरे अंदर अवगुण के भाव हैं जो दूसरों का निरादर, निंदा , नफरत , दूसरों का सत्कार न करना आदि अंदर के जहर को नहीं निकालते तो हर कोई आपका अपना नहीं बन पाएगा। सत्गुरू प्यार से ही खुश होता है। उन्होंने कहा कि सत्गुरू हमें ब्रहाज्ञान से जोड़कर हमारी नकारात्मकता को सकारात्मकता में परिविर्तित करता है। हमारे अंदर की मिठास, आदर के भावों को जीवन में लाता है। जिस प्रकार किसी को एक कप चाय का चीनी डालकर व चम्मच देकर दिया गया हो परंतु वो बिना चीनी मिलाए चाय पीएगा तो पहले वाले घूंट में उसे चीनी की मिठास नहीं मिलेगी लेकिन अंतिम के कुछ घूंट मीठे लगेंगे। इसलिए सत्गुरू हमें अवगुणों को गुणों में सेवा, सिमरन व सत्संग द्वारा परिवर्तित कर देता है।

उन्होंने कहा कि सत्संग में सीखने से भाव से जाकर ही सीखा जा सकता है और सुकून मिलता है। जब भी सत्संग में आए भाव लेकर आए अभाव नहीं। सत्संग में अकसर आना क्यों जरूरी है इसे एक मां ने बच्चे को उदाहरण द्वारा समझाते हुए कहा कि एक कोयला के टुकड़े को अंगीठी में डाला, फिर उसे निकालकर राख में रख दिया। कोयला राख में मिलकर ठंडा होते ही अपने असली स्वरूप में आ गया। इसी प्रकार मां ने फिर कोयले को राख से निकाला ओर अंगीठी में दोबारा डाल दिया, आग की तपिश में गया अब फिर से वो चमक रहा था और गर्माहट दे रहा था। इसी प्रकार जब संसार में रहते हमारे मन पर भी निंदा, चुगली, नकारात्मका के भावों की धूल पड़ जाती है जो साधसंगत में आते ही जब संतजनों के वचनों की तपिश मिलती है तो अभाव भाव बदल जाते हैं। उन्होंने एक अन्य उदाहरण से समझाया कि एक राजा ने तीन प्रश्न किए कि सबसे अच्छी सेज मखमली सेज होती है। तो वो घास काटने वाला कहता है कि जब हम अपनी चिंता को प्रभु परमात्मा को समर्पित कर देते हैं तो जंगल में भी नींद आ जाएगी तो वो ही सबसे अच्छी सेज होती है। दूसरा सबसे श्रेश्ठ व पवित्र जल गंगा का होता है, ऐसा नहीं है जो जल कहीं पर प्यास बुझा दे वो ही सर्वोत्म जल होता। तीसरा प्रश्न बेशक सबसे मीठा फल आम होता है परंतु सेवा का फल सबसे मीठा होता है। उसकी मिठास गले तक सीमित नहीं होती वो सदैव रहती है। उन्होंने कहा कि गृहस्थ में रहते हुए सत्गुरू की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए अपने अभावों को भावों में बदलना ही सच्ची भक्ति है। इस अवसर पर स्थानीय मुखी श्री अमरजीत सिंह जी ने बहन सिमरन वर्मा जी, जोनल इंचार्ज, संयोजक, मुखियों व आसपास के क्षेत्र से आए सभी श्रद्वालुओं का आभार व धन्यावाद किया।